राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 12 अगस्त 2023 वर्ष-6,अंक-202 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आपराधिक आरोपी को समाज में पुन: शामिल होने का संवैधानिक अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिलकिस बानो मामले के दोषियों की रिहाई विवाद पर सुनवाई के दौरान कहा कि आपराधिक मामले में आरोपी को समाज में पुनः शामिल होने का संवैधानिक अधिकार है।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने 11 दोषियों की सजा में छूट देकर उन्हें रिहाई करने के गुजरात सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि भारत के संविधान राष्ट्रपति और राज्यपालों को आपराधिक दंडों को क्षमा करने और माफ करने की अनुमति देने का अधिकार देता है।

पीठ ने इस मामले में तीसरे पक्ष द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इस पक्ष ने दलील दी कि माफी आवेदन दायर करने का अधिकार वैधानिक है। ऐसी याचिकाओं पर कानून और प्रत्येक मामले के तथ्यों के गुण दोष के आधार पर विचार किया जाना चाहिए। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, यदि आप देखें तो किसी आरोपी को समाज में पुनः शामिल करना भी एक संवैधानिक अधिकार है। वैधानिक अधिकार होने के अलावा सजा में छूट का उल्लेख 161, 72 (संविधान के अनुच्छेद) में किया गया है।

शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को अपराहन दो बजे करेगी।

गुजरात में वर्ष 2002 में बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के कई लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पिछले साल 11 दोषियों को सजा में छूट के साथ रिहा कर दिया गया था।

बिलकिस बानो ने इस फैसले को चुनौती दी थी। उनके अलावा और भी कई लोगों ने जनहित याचिका दायर की थीं

'इंडिया' के लिए पश्चिम बंगाल में एकजुटता जरूरी, लेकिन टीएमसी की वाम दलों से दूरी; ममता भी खामोश

पश्चिम बंगाल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि गठबंधन के घटक दलों में कुछ दिक्कतें हैं, पर चुनाव में अभी वक्त है। हम आपस में चर्चा कर कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस को लेकर काफी सकारात्मक है। इंडिया गठबंधन की बैठकों में वह बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है, पर बंगाल में गठबंधन को लेकर वह खामोश हैं। वर्ष 2024 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस वाम दलों के साथ खड़ी नहीं होना चाहती। इसलिए, गठबंधन दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीट हैं। वर्ष 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि गठबंधन के घटक दलों में कुछ दिक्कतें हैं, पर चुनाव में अभी वक्त है। हम आपस में चर्चा कर कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे। इसके लिए घटकदल कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

भाजपा का बढ़ता वोट प्रतिशत चुनौती

पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्थानीय निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है, पर इसके बावजूद लोकसभा चुनाव उनके लिए बड़ी चुनौती है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपने वोट प्रतिशत में करीब 23 फीसदी की वृद्धि करते हुए 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

घटक दल मिलकर लड़ें

पिछले लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 22 सीटें जीतीं थीं और 19 सीट पर दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं, कांग्रेस ने दो सीट जीतीं और एक सीट पर दूसरे नंबर पर रही। पार्टी के एक नेता ने कहा कि इंडिया के घटकदल एकजुट होकर चुनाव लड़ते हैं, तो तस्वीर बदल सकती है। क्योंकि, 2014 के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 34 सीट मिली थी। हम सभी को मिलकर इस लक्ष्य को फिर हासिल करना है।

दोस्ताना मुकाबले का फॉर्मूला संभव

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और वाम दल आपस में दोस्ताना मुकाबले के फॉर्मूले पर भी विचार कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीट हैं। वर्ष 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि गठबंधन के घटक दलों में कुछ दिक्कतें हैं, पर चुनाव में अभी वक्त है।

ऐसा होता है कि तीनों पार्टियां आपस में तालमेल कर एक-दूसरे के खिलाफ डमी उम्मीदवार उतार सकते हैं। इसके साथ यह विकल्प भी खुला है कि तृणणूल कांग्रेस और कांग्रेस आपस में समझौता करें। बाद में कांग्रेस अपने हिस्से में आई सीट से कुछ सीट वाम दलों को दे दे। पार्टी के एक नेता के मुताबिक, यह सिर्फ एक विकल्प है। इंडिया गठबंधन में अभी इस मुद्दे पर कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

गहलोत सरकार ने किए 17 आरएएस के तबादले

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर ब्यूरोक्रेसी में फेरबदल किया है। 17 आरएएस अफसरों के तबादले किए गए है। कार्मिक विभाग ने देर रात आदेश जारी कर दिए। अधिकतर तबादवे रिक्त स्थानों को भरने के लिए किए है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 17 आरएएस अधिकारियों को फील्ड में लगाया गया है। जबकि दो आरएएस को एपीओ किया गया। ट्रांसफर होने वाले ज्यादातर अधिकारियों को नव गठित जिलों में अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है।

दिनेश शर्मा एडीएम जयपुर ग्रामीण–कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार दिनेश कुमार शर्मा को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर, ग्रामीण, नरेश कुमार यादव को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर राजसमंद, बजरंग सिंह को अतिरिक्त जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट खैरथल, ओमप्रकाश पंचम को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जोधपुर ग्रामीण, अरविंद कुमार जाखड़ को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर, कैलाश चंद को सचिव नगर विकास न्यास श्रीगंगानगर, दीपेंद्र सिंह राठौड़ को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़, कपूर शंकर मान को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर अनूपगढ़ होता है।

2 आरएएस एपीओ

जबकि बालकृष्ण तिवारी को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर धौलपुर, चंदन दुबे को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर शाहपुरा, राकेश कुमार गुप्ता को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर ब्यावर , कालूराम खोड़ को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट फलोदी , रवि विजय को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर दूदू, चंदन शेखर भंडारी को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सांचौर, राजकुमार कस्बा को अतीक जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दौसा, दिनेश चंद्र धाकड़ को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट केकड़ी, दुर्गाशंकर मीणा को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सलूंबर लगाया गया है। जबकि नवीन यादव और अशोक सागवान को एपीओ किया गया है।

नूंह में एक बार फिर निकलेगी हिंसा की वजह से अधूरी रह गई ब्रजमंडल यात्रा

वीएचपी बजरंग दल ने तारीख भी की तय

गुरुग्राम। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने नूंह में 28 अगस्त को एक बार फिर से जलाभिषेक यात्रा शुरू करने की घोषणा की है। इस यात्रा को 31 जुलाई को हिंदू-मुसलमानों के बीच हिंसा भड़कने के बाद बीच में ही छोड़ दिया गया था। बता दें कि, हरियाणा के मुस्लिम बहुल नूंह जिले में 31 जुलाई को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ब्रज मंडल शोभा यात्रा पर भीड़ द्वारा हमला करने के बाद भड़की साम्प्रदायिक हिंसा में दो होम गार्ड और एक इमाम समेत छह लोगों की मौत हो गई थी और 88 लोग घायल हो गए। गुरुग्राम में भी छिटपुट हिंसक घटनाएं दर्ज की गई थीं। नूंह के डिप्टी कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा और नूंह के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया ने कहा कि उन्हें इस यात्रा के लिए अभी तक कोई आवेदन नहीं मिला है। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन यात्रा की अनुमति देने पर निर्णय लेने से पहले यात्रा की

तारीख के करीब की स्थिति को देखेगा।

नूंह हिंसा के बाद एक्शन में हरियाणा पुलिस, रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए बनाया ये बड़ा प्लान–विहिप, गुरुग्राम के अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि 31 जुलाई को यात्रा में 3,500 से अधिक लोग शामिल हुए थे, लेकिन 28 अगस्त को इससे कहीं अधिक लोग शामिल होंगे। ÷हमने अपनी ताकत और उपस्थिति दिखाने के लिए हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से अपने कार्यकर्ताओं को यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। हमारा हिंसा पैदा करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन इस बार हम पूरी तरह तैयार रहेंगे।

नासिर-जुनैद की हत्या से नाराज थे कुछ मुसलमान–नूंह मेवात क्षेत्र का हिस्सा है जो हरियाणा और राजस्थान दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों तक फैला हुआ है। हालांकि, पिछले तीन सालों से यहां हर साल यह यात्रा निकाली जा रही है, लेकिन इस वर्ष की यात्रा अलग थी। मेवात क्षेत्र में आमतौर पर सांप्रदायिक झड़पें नहीं होती हैं, लेकिन इस बार यहां रहने वाले कुछ मुसलमान राजस्थान के दो मुस्लिम पशु व्यापारियों नासिर-जुनैद की फरवरी में पीट-पीटकर हत्या करने के आरोपी गौरक्षक मोनू मानेसर को पकड़ने में प्रशासन की उदासीनता से गुस्से में थे। मोनू मानेसर ने खुद यात्रा से पहले सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किए थे, जिससे लग रहा था कि वह भी इस यात्रा में मौजूद रहेगा।

उदयपुर में 18वीं विशाल कावड़ यात्रा 21 अगस्त को

उदयपुर। राजस्थान में झीलों की नगरी उदयपुर में शिव महोत्सव समिति की ओर से आगामी 21 अगस्त को गंगु कुंड से उभयेश्वर महादेव तक की निकाली जाने वाली विशाल 18वीं कावड यात्रा में 10 हजार से अधिक कावडियों के भाग लेने की संभावना है। कावड यात्रा में आमजन की भागीदारी हो इसके लिए गुरूवार को गंगा के चौथे पाये गंगु कुंड प्रांगण में सात दिवसीय समारोह एवं पोस्टर का विमोचन किया गया। अच्छी को वर्षा लेकर 2006 में 50 मित्रों के साथ शुरू इस कावड़ यात्रा में इस वर्ष 10 हजार कावड़ियें उभयेश्वर महादेव का अभिषेक करेगे। सात दिवसीय समारोह संयोजक एडवोकेट रामकृपा शर्मा ने बताया कि सात दिवसीय समारोह का आगाज शनिवार को होगा जिसके तहत महादेव धर्मोत्सव समिति की ओर से गंगु कुण्ड पर दो दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ की स्थापना की जायेगी।

15 अगस्त तक होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और बिहार में एक चक्रवाती परिसंचरण की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा मॉनसून टर्फ भी अपनी सामान्य स्थिति में है। इसके कारण हिमालय की तलहटी में अगले चार से पांच दिनों के दौरान बारिश की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग के द्वारा 11 अगस्त को सुबह आठ बजे जारी रिपोर्ट में अगले पांच दिनों तक देश के कई राज्यों में बारिश की भविष्यवाणी की गई है। भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति भी बन चुकी है। आईएमडी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है, उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 15 अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। हिमचाल प्रदेश में भी इस दौरान अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश के आसार हैं। पंजाब और हरियाणा में 13 अगस्त तक बादल बरसने की संभावना है। इन इलाकों में अगले 6 दिनों के दौरान आसमान में बादल छाए रहेंगे और बारिस होती रहेगी। आईएमडी ने आगे कहा, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी 11 से 15 अगस्त

तक अलग-अलग जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उत्तर बिहार में 13 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना है। सिक्किम में 11 और 12 अगस्त को खूब बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले तीन दिनों के दौरान भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। देश के अन्य हिस्सों में भी अगले सात दिनों के दौरान अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश

दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को भी हल्की बारिश हुई। राष्ट्रीय राजधानी से सटे गाजियाबाद और नोएडा के कुछ हिस्सों में भी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने एक बुलेटिन जारी कर कहा कि दिल्ली में अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री अधिक है, जबकि शहर का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

उत्तराखंड में बारिश का प्रकोप जारी, दो लोगों की मौत–उत्तराखंड में भारी बारिश का प्रकोप गुरुवार को भी जारी रहा और विभिन्न स्थानों पर जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए जबकि वर्षा संबंधी घटनाओं में आज दो व्यक्तियों की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हुए हैं। मूसलाधार बारिश के चलते उफान पर चल रहे नदी-नालों का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिसके बाद कई स्थानों पर लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि ऋषिकेश के पास चौरासी कुटिया क्षेत्र में एक दीवार ढह जाने से उसके मलबे में दबकर एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी और एक अन्य घायल हो गया।

47 साल बाद शुरू हुआ 'लूना 25' का सफर, चांद पर भारत का पड़ोसी होगा रूस; पहुंचने में चंद्रयान-3 से लगी होड़

नई दिल्ली। रूस ने शुक्रवार 11 अगस्त को अपने स्थानीय समय तड़के 2.11 बजे वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लूना- 25 लैंडर की लॉन्चिंग की। 47 साल बाद रूस चंद्रमा के लिए अपना पहला अंतरिक्ष यान रवाना कर चुका है। इससे पहले भारत ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की उपलब्धि हासिल करने की कोशिश में चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर भेजा है। चंद्रमा के लिए रवाना किए गए दोनों मिशन दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करेंगे। इस तरह भारत और रूस चांद पर एक दूसरे के पड़ोसी होने वाले हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि लूना 25 चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 से पहले ही लैंड करेगा। बता दें रूस 1976 के बाद पहली बार चंद्रमा पर अपने 'लूना-25' यान को भेज रहा है। इस यान का प्रक्षेपण यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की मदद के बिना किया गया है, जिसने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद मॉस्को के साथ अपना सहयोग समाप्त कर दिया है। खबरों के मुताबिक, रूसी अंतरिक्ष यान के 23 अगस्त को चंद्रमा पर पहुंचने की संभावना है। यह वही तारीख है, जब भारत की तरफ से 14 जुलाई को प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर कदम रखने की उम्मीद है। दोनों ही देशों ने अपने-अपने यान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जहां अभी तक कोई भी यान सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल नहीं हो सका है।

अभी तक सिर्फ तीन देश-अमेरिका, तत्कालीन सोवियत संघ और चीन चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग कर पाए हैं। सब कुछ ठीक रहा तो रूस का लूना 25 और चंद्रयान-3 की दक्षिणी ध्रुव पर मौजूदगी से दोनों देश चांद पर एक दूसरे के पड़ोसी हो जाएंगे। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख यूरी बोरिसोव के मुताबिक, लूना का लैंडर 21 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतर सकता है। पहले इसके लैंडिंग की तारीख 23 अगस्त बताई जा रही थी। इंटरफैक्स के मुताबिक, बोरिसोव ने लॉन्च के बाद वोस्तोचन कोस्मोड्रोम में कार्यकर्ताओं से कहा, अब हम 21 तारीख का इंतजार करेंगे। मुझे उम्मीद है कि चंद्रमा पर बेहद सटीक सॉफ्ट लैंडिंग होगी। लूना-25, लगभग एक छोटी कार के आकार का है, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक वर्ष तक काम करने के लक्ष्य से बनाया गया है।

लूना-25 मिशन की सफलता महत्वपूर्ण महत्व रखती है, क्योंकि रूसी सरकार का दावा है कि यूक्रेन संघर्ष के कारण पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से रूसी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है। ऐसे में पहली बार रूस ने अपने दम पर इस अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च किया है। फरवरी 2022 में यूक्रेन से युद्ध के परिणामस्वरूप अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में रूस की भागीदारी खत्म हो गई थी, जिसके कारण पश्चिमी देशों के साथ रूस के अंतरिक्ष-संबंधी सहयोग में काफी कमी आई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चुनाव के लिए नियुक्ति

मुख्य चुनाव आयुक्त सहित चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा शर्तों को नियंत्रित करने के लिए कानून की तैयारी चर्चा में है। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में देश के प्रधान न्यायाधीश की भूमिका समाप्त हो जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (सेवा-नियुक्ति शर्तें एवं कार्यकाल) विधेयक, 2023 के गुण-दोष पर विमर्श तय है। गौर करने की बात है कि यह विधेयक सर्वोच्च न्यायालय के एक हालिया फैसले की रोशनी में तैयार किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में कानूनी शून्यता का उल्लेख किया था। प्रस्ताव के अनुसार, अब जो चुनाव आयुक्त या मुख्य चुनाव आयुक्त चुने जाएंगे, उनका फैसला प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री व लोकसभा में विपक्ष के नेता मिलकर करेंगे। 2 मार्च, 2023 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में यह कहा गया था कि जब तक केंद्र सरकार भारत के चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी यथोचित कानून नहीं लाती, तब तक ये नियुक्तियां प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश व नेता प्रतिपक्ष की समिति की सलाह पर की जानी चाहिए। न्यायालय की प्रशंसा होनी चाहिए कि उसने कमी की ओर इशारा किया और अब सरकार इस दिशा में पहल कर रही है। हालांकि, यह शिकायत सामने आई है कि प्रस्तावित संशोधन से देश के प्रधान न्यायाधीश की उपेक्षा होगी, पर वास्तव में यह फैसला तो सरकार का ही है। कहीं न कहीं न्यायाधीश की नियुक्ति में भी सरकार की भूमिका होती ही है। उच्च स्तर पर होने वाली किसी भी नियुक्ति में सरकार की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता और इसे गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। पहले भी सरकारों ने आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया और चुनाव आयोग के आकार में परिवर्तन किए हैं। संविधान के तहत साल 1950 में एक सदस्यीय चुनाव आयोग का गठन हुआ था और 15 अक्तूबर, 1989 तक वह एक सदस्यीय ही रहा। तत्कालीन सरकार ने उसे बहुसदस्यीय बना दिया, लेकिन दो महीने बाद ही यह फिर से एक सदस्यीय हो गया। साल 1993 में तत्कालीन सरकार ने इसे फिर तीन सदस्यीय बना दिया। तब भी यह आरोप लगा था कि ईमानदार चुनाव आयुक्त टी एन शेषन पर लगाम कसने के लिए ऐसा किया गया है। खैर, कुछ विवाद के बाद सरकार की वह कोशिश कामयाब रही थी और आज भी चुनाव आयोग तीन सदस्यों के साथ अच्छा काम कर रहा है। लोग आयोग से उम्मीदें रखते हैं और यह सफलतापूर्वक चुनावी प्रक्रियाओं को अंजाम देता आ रहा है। अगर सरकार की मंशा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया से प्रधान न्यायाधीश को अलग रखने की है, तो इसे समझने की जरूरत है। न्यायपालिका पहले से ही मुकदमों के दबाव में है, ऐसे में, प्रधान न्यायाधीश को किसी नए काम में शामिल करने या न करने का फैसला विचारणीय है। जिन लोगों को शंका है कि इससे चुनाव आयुक्तों की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है, तो ऐसे लोगों को आश्वस्त रहना चाहिए, क्योंकि चुनाव में होने वाली कोई भी कमी या गड़बड़ी अंततः न्यायालय में ही पहुंचेगी। लोकतंत्र और विश्वसनीय चुनाव इस देश के सम्मान में चार चांद लगाते रहे हैं, अतः कानून कोई भी बन जाए, अंततः सरकार ही निष्पक्षता और सेवा बहाल रखने के लिए जिम्मेदार है और हमेशा रहेगी। बेशक, सबको ध्यान रखना होगा कि चुनाव आयुक्तों से इस देश के लोग क्या उम्मीदें रखते हैं।

आज का राशीफल

मेष — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ — पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन — जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क — आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह — राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या — संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

राजनीतिक अस्थिरता के बीच गहराता आर्थिक संकट

जी. पार्थसारथी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा रखी गई कड़ी शर्तों और सरकारी खर्च में भारी कटौती के बावजूद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था आज रसातल में बनी हुई है। ऐसे में सतत आर्थिक विकास की गुंजाइश कम ही बचती है। मानो आर्थिक संकट ही काफी न था, महंगाई की ऊंची दर ने आम आदमी की जिंदगी को दूभर बना रखा है। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट में कहा गया 'अपने न्यूनतम विदेशी मुद्रा भंडार के साथ पाकिस्तान की मौजूदा अर्थव्यवस्था भारी दबाव में है, पाकिस्तानी मुद्रा का लगातार अवमूल्यन हो रहा है और महंगाई दर बहुत अधिक है। बढ़ती मुद्रास्फीति, ऊर्जा की ऊंची कीमत के बीच वर्तमान वित्त वर्ष में पाकिस्तान की आर्थिक वृद्धि दर 0.4 फीसदी अनुमानित है।' पिछले कई दशकों में कृषि आमदनी में पहली बार सिकुड़न आई है, यही हाल उद्योग जगत का है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में बाधा पड़ रही है। अतः पाकिस्तान पूर्व की भांति खैरात पर पलने वाला मुल्क बना रहेगा, जहां तक नज़र जाती है, वह विदेशी मदद पर निर्भर है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से हुए समझौते को अंतिम रूप से सिरे चढ़ जाने और सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात से द्विपक्षीय सहायता मिलने के बावजूद पाकिस्तान को मौजूदा वित्तीय संकट से उबरने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार का कड़ाई से प्रबंधन करने और आर्थिक मितव्ययिता बरतने की जरूरत पड़ रही है। जहां पाकिस्तान के योजना मंत्री आसिफ इकबाल इस साल आर्थिक वृद्धि दर 3.5 फीसदी रहने का अनुमान बता रहे हैं वहीं दुनिया इस आशावादिता से सहमत नहीं है। पाकिस्तान अनिश्चितकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय खैरात का कटोरा बना रहेगा, जिसका गुजारा विदेशी मदद बिना नहीं हो सकता। इसी बीच, पाकिस्तानी रुपये को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा में बदलने में मददगार होने की बजाय उसके सदाबहार दोस्त चीन ने भी अपनी थैली का मुंह कस रखा है। चीन का ध्यान अधिकांशतः 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना पर केंद्रित है। सवाल पैदा होता है कि क्या पाकिस्तान श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की नकल कर पाएगा जिन्होंने देश के सामने मुंह बाए खड़ी दिवालिया जैसी स्थिति से उबरने में चतुर कूटनीतिक और आर्थिक नीतियों के मामले में विलक्षण सफलता हासिल की है। इन आर्थिक दबावों के बीच पाकिस्तान का 'परमाणु संपन्न नेतृत्व' के पास अपनी जनता को अच्छी खबर देने के नाम पर 'परमाणु निर्वाण' की ओर कूच है। पाकिस्तान के पहले 'परमाणु बम' जनक अब्दुल कादिर खान थे, जिनकी मृत्यु अक्तूबर, 2021 में हुई। कादिर के खाते में परमाणु तकनीक में अनुसंधान एवं विकास में संलग्न यूरोपियन संबंधता वाली डच कंपनी की संदिग्ध नौकरी है, वहां हाई स्पीड सैंट्रीफ्यूज के साथ संवर्धित यूरेनियम तैयार किया जाता था। अब्दुल कादिर 1971 में पाकिस्तान को मिली शिकस्त से काफी उद्वेलित थे, जिसका हवाला अक्सर दिया करते थे। उन्होंने पाकिस्तानी परमाणु बम बनाने में प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को यूरेनियम संवर्धन के अपने अनुभवों से अर्जित जानकारी की तफ्सील मुहैया करवा दी। जल्द ही उन्हें इस्लामाबाद के निकट कहुआ स्थित पाकिस्तान यूरेनियम संवर्धन परियोजना का मुखिया बनाया गया। जहां उन्होंने यूरेनियम संवर्धन के लिए जरूरी सैंट्रीफ्यूज अवयव जुटाकर काम को अंजाम दिया। चीन के पास चूंकि संवर्धित यूरेनियम आधारित परमाणु बम बनाने की तकनीक थी, लिहाजा चीन से पाकिस्तान को देर-सवेर परमाणु अस्त्र बनाने का डिजाइन मिलना ही था। इसके बाद पाकिस्तान अपना परमाणु बना पाया, जिसका परीक्षण भारत द्वारा 1998 में पोखरण में प्लूटोनियम आधारित परमाणु परीक्षण किए जाने के फौरन बाद किया गया। यह वक्त की बात थी कि अब्दुल कादिर को भ्रष्टाचार करने और भारी रकम के बदले अन्य परमाणु बम का डिज़ाइन मुहैया करवाने के आरोप में बेदखल कर दिया गया। बेशक कादिर पर वैश्विक परमाणु अस्त्र डिजाइन समग्लर होने के अनेकानेक आरोप लगे हुए थे तथापि कादिर अक्तूबर, 2021 में अपनी मौत के बाद भी एक राष्ट्रीय नायक बने रहे। कहा जाता है कुछ इस्लामिक देशों की यात्रा के दौरान उन्होंने डिजाइन बेचा था। जाहिर है अमेरिका जैसे मुल्क इस कृत्य से खुश नहीं थे। कादिर के बाद पाकिस्तान परमाणु अस्त्र कार्यक्रम का मुखिया ले. जनरल खालिद किदवई को बनाया गया, जो कि तोपखाने के उच्च अलंकृत अधिकारी थे और 1971 की बांग्लादेश लड़ाई के बाद बतौर युद्धबंदी भारत की जेलों में रह चुके थे। उनके पाकिस्तान परमाणु प्राधिकरण का मुखिया बनने के बाद, 1998 के परमाणु परीक्षण उपरांत, पाकिस्तान के परमाणु सिद्धांत ने शक्ल अख्तियार की। 'किदवई सिद्धांत' बताता है किन परिस्थितियों में पाकिस्तान परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। वे लिखते हैं कि यदि भारत हमला करे और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लेता है या थल-वायुसेना के बड़े अंश को नेस्तनाबूद कर दे तो पाकिस्तान को परमाणु अस्त्र चलाने पर मजबूर होना पड़ेगा। एक अन्य उपाय के तौर पर, किदवई ने आगे जोड़ा कि पाकिस्तान तब भी ऐसा करेगा यदि भारत पाकिस्तान को आर्थिक रूप से तबाह करने की कोशिश करे या बड़े पैमाने पर गड़बड़ करवाकर आंतरिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करे। 'किदवई सिद्धांत' आज भी पाकिस्तान की परमाणु महत्वाकांक्षा और नीतियों का चेहरा है। तीसरे देशों के संगठनों द्वारा अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान के पास आज की तारीख में लगभग 170 परमाणु हथियार हैं जबकि भारत के पास 164 बताए जाते हैं। हालांकि इन आंकड़ों की

> पाकिस्तान अनिश्चितकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय खैरात का कटोरा बना रहेगा, जिसका गुजारा विदेशी मदद बिना नहीं हो सकता। इसी बीच, पाकिस्तानी रुपये को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा में बदलने में मददगार होने की बजाय उसके सदाबहार दोस्त चीन ने भी अपनी थैली का मुंह कस रखा है। चीन का ध्यान अधिकांशतः 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना पर केंद्रित है। सवाल पैदा होता है कि क्या पाकिस्तान श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की नकल कर पाएगा जिन्होंने देश के सामने मुंह बाए खड़ी दिवालिया जैसी स्थिति से उबरने में चतुर कूटनीतिक और आर्थिक नीतियों के मामले में विलक्षण सफलता हासिल की है।

सत्यता को लेकर कोई शंका हो सकती है। पाकिस्तान के पास चीन प्रदत्त नाना मिसाइलें हैं जैसे कि शाहीन 1 (रेंज 750-900 किमी.) शाहीन-3 (रेंज 2750 किमी.)। पाकिस्तान के परमाणु हथियार और मिसाइलें चीनी डिजाइन की प्रतिकृति हैं। हालांकि, ठीक इसी समय पाकिस्तान को यह भी मालूम है कि परमाणु युद्ध का अर्थ है स्व-विनाश। भारत का रुख तार्किक रूप से दो सीमाओं पर चुनौतियों के मद्देनजर अपनी सामर्थ्य बनाने का प्रयास है। यूं पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से चीन पाकिस्तान की परमाणु बम और मिसाइल सामर्थ्य में इजाफा करने के लिए सामग्री और बनाने की विधि मुहैया करवाता आया है। भारत के लिए नाभिकीय अस्त्र दागने की अपनी क्षमता को सुदृढ़ करना समझदारी होगी। इसके लिए स्वदेशी तकनीक आधारित कम-से-कम तीन परमाणु पनडुब्बियां बनाने की जरूरत पड़ेगी, ताकि भारत के नाभिकीय अस्त्रों और इनके भय को लेकर शक की कोई गुंजाइश न रहे। उक्त सुरक्षा परिदृश्य के बीच, राजनीतिक रूप से अस्थिर पाकिस्तान में इस साल के अंत में आम चुनाव होंगे। लेकिन इनके परिणामों के बाद पाकिस्तान की सोच में नई राजनयिक पहल हेतु गंभीर बदलाव आएगा, इसकी संभावना नगण्य है। इधर भारत में भी आगामी आम चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ने लगी हैं। जहां वर्तमान में राजनीतिक स्तर पर वार्ता की कोई संभावना नहीं है तथापि पर्दे के पीछे संवाद जारी रखना फायदेमंद रहेगा, जिसमें पाकिस्तानी सेना की सहमति शामिल है। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर और इमरान खान के बीच दुश्मनी गहरा गई है और इसके पीछे कारण भी है क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए इमरान खान ने जनरल मुनीर को आईएसआई प्रमुख के प्रतिष्ठित पद से अचानक हटा दिया था। बाइडेन प्रशासन को भी इमरान खान पसंद नहीं हैं। इमरान खान को गद्दी से हटाने में खासी भूमिका रखने वाले बाजवा की बाइडेन से गहरी छनती रही है। जाहिर है मौजूदा सेनाध्यक्ष असीम मुनीर इमरान खान से नरमी से पेश नहीं आने वाले।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना: सोने से महंगी पड़ रही घड़ाई

(लेखक- आनन्द पुरोहित)

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान प्रत्यक्ष रूप से लाखों रूपए और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों रुपए के खर्च के साथ भव्यतापूर्ण समारोह में सवा करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से करीब 1 हजार 250 करोड़ रुपये की राशि हर माह जमा कर रहे हैं। विगत दो आयोजनो की कार्रवाई पर के खर्चों का अंदाजा लगाने के बाद पहली प्रतिक्रिया सोने से महंगी घड़ाई ही निकलती है। वैसे भी इस योजना की शुरुआत के पहले ही सोशल साइट्स पर इसको ट्रोल करते मीम्स और जोक्स का सैलाब आ गया था, जिस पर यूजर ने जहां चटकारे लेते कर्ज में आकंठ डूबी प्रदेश सरकार को भरपूर ट्रोल किया था कि इस तरह पैसा बांटकर जहां कौम को निकम्मा बनाया जा रहा है, वहीं इमानदार टैक्स पेयर अपने टैक्स की राजनीतिक बर्बादी देख खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है। सरकार के साथ मुख्यमंत्री को भरपूर ट्रोलिंग करते सोशल साइट्स पर कुछ ऐसे सुझाव भी आए थे कि यदि इसके बजाय गैस सिलेंडर पर पांच सौ रुपए की सब्सिडी दे दी जाए तो इससे बहना के साथ बहनोई भी खुश हो जाएगा और पैसे का सदुपयोग दिखाई देगा। बहरहाल मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी की सोच का यह मामला हो सकता है। यहां तो बात, शुरू हो चुकी इस योजना के इम्पलीमेंट के तौर तरीके के साथ उसके इम्पेक्ट और इफेक्ट की है, बोले तो जिस तरह हर महीने लाखों करोड़ों खर्च कर एक जिले या संभाग की पूरी प्रशासनिक मशीनरी को... चंद सेकेंड के क्लिक के लिए हफ्तों झोंकना पब्लिक ओपिनियन में भी सोने से घड़ाई महंगी वाली ही बात है। सरकार योजना शर्तों के अनुसार पात्र महिलाओं को एक हजार रुपए महीना दे रही है। दस जून शनिवार को एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड पर बने भव्य मंच से अपनी... मनोविनोदित रैम्प वाक शैली में उपस्थितों को संबोधित करते योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में इसकी पहली किश्त सिर्फ एक क्लिक से ट्रांसफर कर इस योजना को शुरू किया, उसके बाद, दस जुलाई सोमवार को इन्दौर में पिथमपुर-इन्दौर सुपर कारिडोर पर एक भव्य समारोह में उपस्थित तकरीबन एक लाख लाड़ली बहनाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं के सामने इसकी दूसरी किश्त के लिए क्लिक किया तो रीवा में एस ए एफ मैदान पर तीसरी किश्त भी भव्य समारोह में गुरुवार दस अगस्त को एक क्लिक कर दे दी वहां भी उन्होंने अपनी मनोविनोदित रैम्प वॉक शैली में ही, सबको संबोधित भी किया।जबलपुर में योजना को शुरू करने के लिए हजारों लाखों महिलाओं और बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ मनाए गए जश्न को तो लाजिमी माना जा सकता है और इस पर के खर्च और प्रशासन के नुमाइंदों की संलिप्तता जायज कही जा सकती हैं क्या वो तो... इनोगरल फंक्शन था, परन्तु इन्दौर और रीवा में जिस तरह से सिर्फ एक क्लिक के लिए प्रत्यक्ष रूप में लाखों रुपए और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों रुपए खर्च करते भव्य इवेंट प्रोग्राम आयोजित कर ये राशि ट्रांसफर की जा रही है, उसकी औचित्यता पर टैक्स पेयर बुद्धजीवी वर्ग के साथ साथ आम जनता भी सवालिया निशान लगाते बढ़ती मंहगाई के बीच कह रही है कि ये तो सोने से घड़ाई महंगी पड रही है। उन चंद सेकेंड के क्लिक के लिए घंटों नहीं बल्कि दिनों वह शहर अस्त व्यस्त हो जाता है जहां मुख्यमंत्री इस तरहां क्लिक करने जाते हैं। वैसे अगर चाहे तो मुख्यमंत्री एक क्लिक से श्यामला हिल्स आवास में भी आराम से बैठकर ये राशि बहनों के खाते में ट्रांसफर कर सकते हैं और इसकी सूचना प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए जन जन तक पहुंच ही जाती है। किसी को परेशानी नहीं होगी न नेता मंत्री अफसर त्रस्त होगे न प्रशासन पस्त और न ही शहर तथा शहर वाले अस्त व्यस्त और कर्ज में डूबते प्रदेश की लाखों की बचत होगी वो अलग से, मतलब सोने के साथ घड़ाई फ्री में पड़ेगी। जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड, इन्दौर के सुपर कारिडोर और रीवा के एस ए एफ एम मैदान के आयोजनों में से गैरिसन ग्राउंड का कार्यक्रम तो सभी को स्वीकार, वाजिब, लेकिन इसके बाद के दोनों आयोजन तो उस शहर के चंद लोगों को छोड़कर पूरे प्रदेश के जागरूक नागरिकों की नजर में फिजूलखर्ची ही हैं। सर्वाधिक नाराज मध्यम और

उच्च मध्यम वर्गीय टैक्स पेयर तबका है, जो इस योजना को लेकर ही अपनी नकारात्मक प्रतिक्रिया दे चुका है, उनकी चर्चा दिल्ली के चीफ मिनिस्टर अरविंद केजरीवाल की फ्री फोकट योजनाओं और उसकी भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा तीखी खिलाफत के साथ शुरू होकर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा की गई घोषणाओं के बाद उनकी पार्टी के यूपी में हश्र पर खत्म होती है। बीच में चर्चा भैया/ मामा द्वारा मध्यप्रदेश में बांटे जा रहे हजार रुपए को लेकर सोशल साइट्स पर वायरल पोस्टों की भी होती है, जिसमें पत्रकार द्वारा लाभान्वित महिला से यह पूछने पर कि आप क्या करोगी इस हजार रुपए का, तो उसके द्वारा तपाक से कहना दारू पियेंगे शामिल रहती ही है। वैसे कई कानूनज्ञाता और सामाजिक संगठन, विभिन्न सरकारों की इस तरह की घोषणाओं और योजनाओं के खिलाफ न्यायालय का रूख भी करने का मन बना रहे हैं कुछेक तो पहुंच भी गए हैं और वे दृढ़ निश्चय कर चुके हैं कि ये फिजूलखर्ची बंद होनी चाहिए। कोर्ट की टिप्पणी तो जब आएगी तब आएगी उसके पहले ही विधानसभा चुनाव के रूप में चार माह बाद जनता की अदालत में सरकार और सरकार के इन नुमाइंदों को पेश होना ही है और उस जनता की अदालत में जज इन बहनों के साथ, गरीब, मजदूर और वाकई में जरूरतमंद, लेकिन कागजी खानापूर्ति के अभाव में इस तरह की योजनाओं से वंचित आम आदमी के साथ, वो टैक्स पेयर तबका भी होगा जो इस फिजूलखर्ची को सोने से महंगी पड़ रही घड़ाई की संज्ञा दे रहा है।

आचरण के खिलाफ विशेषाधिकार का प्रस्ताव

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर चर्चा खत्म हो गई है। अविश्वास प्रस्ताव सदन में गिर गया। मतदान के पहले ही विपक्ष बाहर निकल गया। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री पर सीधा वार किया था। उनकी तुलना धृतराष्ट् से कर दी। संसदीय कार्य मंत्री उनके आचरण के खिलाफ विशेषाधिकार का प्रस्ताव लाए। समिति की रिपोर्ट आने तक लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें लोकसभा से निलंबित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष द्वारा लाए हुए प्रस्ताव पर अपनी बात रखी। संसद में सत्ता पक्ष ओर विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा। जिस मकसद के साथ अविश्वास प्रस्ताव मणिपुर की घटना को लेकर लाया गया था। उस पर सत्ता पक्ष का मौन सभी को परेशान करने वाला था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर पर कोई बात ना करके पूर्वोत्तर राज्यों पर कांग्रेस की पिछली सरकार को घेरकर सरकार के बचाव करने की रणनीति अपनाई। लोकसभा और राज्यसभा में पिछले 4 दिनों से दिल्ली सेवा बिल और विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को लेकर जो चर्चाएं हुई हैं। उससे कहीं लगा ही नहीं, कि संसद में सांसद मर्यादित ढंग से अपनी बात कर रहे हैं। दोनों ही पक्षों द्वारा एक दूसरे के ऊपर गंभीर आरोप लगाए गए। स्टैंडिंग कमेटी में दिल्ली सेवा बिल भेजने के मामले में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को नोटिस दिया गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच का जो संग्राम राज्यसभा और लोकसभा में देखने को मिला है। राज्यसभा की दो सांसद और लोकसभा का एक सांसद, सदन से निलंबित हुआ। जल्द ही उसकी परणति सड़कों पर होती हुई देखेगी। मणिपुर में जिस तरह की हिंसा हुई है। 3 महीने से ज्यादा का समय हो गया है। हजारों लोग शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। महिलाएं और बच्चों को शरणार्थी शिविरों में भी जरूरी सामग्री नहीं मिल पा रही है। कई महीने से लोग अपने घर के बाहर से नहीं निकल पा रहे हैं। इसके बाद भी मणिपुर की घटनाओं को लेकर जिस तरह से पक्ष और विपक्ष के बीच संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक उठापटक हुई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। 3 महीने से ज्यादा का समय हो गया। स्थितियों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। मणिपुर की भयावता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 3 महिला जजों की कमेटी बनाई है। अन्य राज्यों से पुलिस के अधिकारी जांच के लिए मणिपुर में तैनात किए गये हैं। सुप्रीम कोर्ट की कोशिश है, मणिपुर की जनता मे विश्वास कायम हो। संसद के अंदर मणिपुर मामले को लेकर पिछले 2 सप्ताह से गतिरोध बना हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन में आकर मणिपुर के बारे में अपने विचार रखे। विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर सरकार को मजबूर किया, कि वह मणिपुर पर सरकार अपना पक्ष रखे। अविश्वास प्रस्ताव पर भी चर्चा हो गई। प्रधानमंत्री भी अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देने सदन में आए। मणिपुर के बारे में कोई सार्थक निष्कर्ष नहीं निकला। सरकार और विपक्ष एक दूसरे के गडे हुए मुर्दों को उखाड़ते रहे। संसद के अंदर पक्ष और विपक्ष के बीच में नैतिकता और समस्याओं का समाधान निकलने के स्थान पर एक दूसरे के ऊपर तीखा आरोप प्रत्यारोप लगाते रहे। मणिपुर की वर्तमान घटनाओं पर सत्तापक्ष चुप रहा। मणिपुर में मलहम लगाने के स्थान पर एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप मे जिस तरह की कार्रवाई संसद के अंदर हुई है। माननीय सांसदों द्वारा जिन शब्दों का प्रयोग किया है। वह सारे देश ने सुना है। जन सामान्य के बीच इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। मणिपुर की घटनाएं कोई साधारण घटनाएं नहीं हैं। हजारों नागरिक शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। दोनों समुदाय के बीच में जिस तरह से हिंसा हो रही है। पुलिस और सेना के बीच मे तनाव बना हुआ है। अस्पतालों के कर्मचारी और डॉक्टर भी मेतई और कुकी समुदाय के बीच में बंट गए हैं। इसके बाद भी सरकार और विपक्ष की ओर से समस्या का समाधान करने की सार्थक पहल नहीं हुई।

इसके स्थान पर जिस तरह से एक दूसरे के ऊपर आरोप और प्रत्यारोप मे घटिया से घटिया शब्दों का उपयोग संसद के अंदर हुआ है। मणिपुर की वर्तमान घटनाओं को जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है। यह आश्चर्य की बात है।

संवेदना, मानव अधिकार एवं मानवता को लेकर देश एवं दुनिया में भारत चर्चा का विषय बन गया है। मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के सांसदों को राज्यसभा एवं लोकसभा से निष्कासित किया गया है। इससे भी भारतीय संसद की छवि धूमिल हुई है।

अमेजन इंडिया का 66,000 करोड़ से अधिक के निर्यात में योगदान

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने कहा कि उसने कुल 62 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को डिजिटल करने के साथ आठ अरब डॉलर के निर्यात को भी सक्षम बनाया है। कंपनी ने कहा कि उसने रोजगार सृजन, निर्यात और एमएसएमई के डिजिटलीकरण के प्रमुख फोकस क्षेत्रों के लिए अपने 2025 संकल्प के तहत 20 लाख नौकरियों में से 13 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं। उसने कहा कि अमेजन अपने वादों को पूरा करने की राह पर अग्रसर है। कंपनी ने कहा कि पिछले एक साल में उसने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), ई-कॉमर्स, विनिर्माण, सामग्री निर्माण और कौशल विकास जैसे उद्योगों में लगभग 1.4 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करने में मदद की है। वर्ष 2021 में शुरू हुआ अमेजन संभव वेंचर फंड 25 करोड़ डॉलर का कोष है जो प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सहित अन्य क्षेत्रों में स्टार्टअप पर केंद्रित है। अमेजन ने कहा कि इस कोष ने पिछले 24 महीनों में फ्रेशटुहोम, हॉपस्कॉच, कैशीफाई, स्मालकेस और माईग्लैम जैसे स्टार्टअप में निवेश किया है।

सीएमएस इंफो सिस्टम्स के प्रवर्तक ने 19.4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । सीएमएस इंफो सिस्टम्स के प्रवर्तक सायन इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई ने खुले बाजार के लेनदेन के माध्यम से कंपनी में 19.4 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,071 करोड़ रुपए में बेच दी। आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड (एमएफ), आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ, सोसाइटी जेनरल, पब्लिक सेक्टर पेंशन इन्वेस्टमेंट बोर्ड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी स्टेबल, नोमुरा, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और गोल्डमैन सैक्स शेयरों के खरीदार थे। सायन इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, निजी इक्विटी फर्म बैरिंग प्राइवेट इक्विटी एशिया की एक सहयोगी कंपनी है। हिस्सेदारी बिक्री के बाद बीएसई सीएमएस इंफो सिस्टम्स के शेयर 6.95 प्रतिशत घटकर 364.05 रुपए पर बंद हुए। शेयरों को औसतन 357.17 रुपए की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल लेनदेन का आकार 1,071.51 करोड़ रुपए हो गया। इस बिक्री के बाद जून तिमाही के अंत में सीएमएस इंफो सिस्टम्स में सायन की हिस्सेदारी 46.48 प्रतिशत से घटकर 27.05 प्रतिशत रह गई।

श्रीवारी का आईपीओ 2023 में सबसे ज्यादा सब्सक्राइब हुआ

नई दिल्ली । मसाला और आटा बेचने वाली कंपनी श्रीवारी स्पाइसेज एंड फूड्स का आईपीओ साल 2023 का सबसे अधिक सब्सक्राइब होने वाला आईपीओ बन गया है। कंपनी 9 करोड़ रुपए जुटाने के लिए अपना आईपीओ लेकर आई थी लेकिन इसको निवेशकों से 2,700 करोड़ की बोलियां हासिल हुईं। निवेशकों से मिली इस बेहतरीन प्रतिक्रिया से मार्केट से जुड़े लोगों को हैरानी में डाल दिया है। बता दें कि इश्यू को सब्सक्रिप्शन के अंतिम दिन 418.5 गुना सब्सक्राइब किया गया। ऑफर के लिए प्राइस बैंड 40-42 रुपए प्रति शेयर था। एनएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार निवेशकों ने 15.36 लाख इक्विटी शेयरों की पेशकश के आकार के मुकाबले 64.27 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगाई है, जिसके परिणामस्वरूप 418.46 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। इससे 9 करोड़ रुपए के इश्यू को लगभग 2,700 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं। इस ऑफर में खुदरा निवेशकों से अधिकतम 36.98 करोड़ इक्विटी शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं, इसके बाद हाई नेटवर्थ वाले व्यक्तियों से 24.06 करोड़ शेयरों के लिए और योग्य संस्थागत खरीदारों से 3.22 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं।

क्रेटा, अल्काजार के एडवेंचर एडिशन को लॉन्च

-ह्यूदै कंपनी का नया धमाका

नईदिल्ली ।

भारतीय बाजार में हुंडई ने क्रेटा और अल्काजार के एडवेंचर एडिशन को लॉन्च कर दिया है। पेश की गई दोनों कारों में खास हैं। हयूदै अल्काझार और क्रेटा एडवेंचर एडिशन को नए रेंजर खाकी रंग में पेश किया गया है। दोनों कारें काफी आकर्षक पेंट ऑप्शन और इंटीरियर डिजाइन के साथ लाई गई हैं।

अन्य जगहों पर, इसमें ग्रिल, स्किड प्लेट्स, साइड सिल्स, रूफ रेल्स, शार्क-फिन एंटीना, ओआरवीएम और अलॉय व्हील सहित ब्लैक-आउट कलर एलिमेंट मिलते हैं। क्रेटा और अलकज़ार ब्रांडिंग के लिए डार्क क्रोम फिनिश का इस्तेमाल किया गया है। वहीं फ्रंट फेंडर में एडवेंचर लोगो दिया गया है।

इंटीरियर में, हुंडई के नए एडवेंचर एडिशन मॉडल में एक ऑल-ब्लैक इंटीरियर थीम, सेज ग्रीन इंसर्ट, नई सीट अपहोल्स्ट्री, डुअल कैमरा के साथ एक डैशकैम, एडवेंचर-स्पेक मैट और मेटल पैडल मिलते हैं।

क्रेटा एडवेंचर एडिशन छह रंगों में उपलब्ध है, जिनमें एबिस ब्लैक, एटलस व्हाइट, टाइटन ग्रे और रेंजर खाकी मोनोटोन पेंट स्कीम हैं, जबकि डुअल-टोन वाले में एटलस व्हाइट और रेंजर खाकी शामिल हैं, दोनों एबिस ब्लैक रूफ के साथ हैं। वहीं अल्कजार एडवेंचर एडिशन चार मोनोटोन रंगों - एबिस ब्लैक, एटलस व्हाइट, टाइटन ग्रे और रेंजर खाकी और तीन डुअल-टोन रंगों - एटलस व्हाइट, रेंजर खाकी और टाइटन ग्रे - सभी एबिस ब्लैक रूफ के साथ पेश किया गया है।

वहीं, क्रेटा एडवेंचर एडिशन में 1.5-लीटर, नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलता है। इसके एसएक्स ट्रिम में छह-स्पीड मैनुअल यूनिट और एसएक्स (ओ) ट्रिम में आईवीटी गियरबॉक्स मिलता है।अल्कजार एडवेंचर एडिशन 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर डीजल मिल द्वारा संचालित है, जिसे छह-स्पीड मैनुअल यूनिट, छह-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक यूनिट और सिग्नेचर(ओ) और प्लेटिनम ट्रिम्स में इसे सात-स्पीड डीसीटी यूनिट के साथ जोड़ा गया है।

वीवर्क दिवालिया होने की कगार पर, 85 फीसदी टूटकर जीरो पर आया शेयर

नई दिल्ली । फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस प्रोवाइडर वीवर्क इस समय दिवालिया होने की कगार पर है। रातो-रात कंपनी के शेयर 85 फीसदी टूटकर जीरो पर आ गए हैं। बताया जा रहा है कि एक दौर में 47 बिलियन डॉलर की यह कंपनी आज अपने वजूद की लड़ाई लड़ रही है। कंपनी ने खुद यह मान लिया है कि कारोबार में बने रहने की क्षमता को लेकर संदेह में है। इस बीच, न्यूयॉर्क हेडक्वार्टर वाली कंपनी वीवर्क ने अपनी दूसरी तिमाही में 397 मिलियन डॉलर का शुद्ध घाटा दर्ज किया है। हालांकि, कंपनी की ओर से बताया गया है कि उसके भारतीय कारोबार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।` मिली जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार को तिमाही नतीजों के बाद वीवर्क के शेयरों में 30 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 95 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। सिर्फ 2023 की शुरुआत से वीवर्क का स्टॉक 85 प्रतिशत नीचे है। बुधवार को शेयर लगभग एक चौथाई गिरकर 0.21 पर आ गया। बाजार विशेषज्ञ बताते हैं कि वीवर्क की मुसीबतें कोरोना काल में बढ़ गई। हालांकि आईपीओ लाकर फंड जुटाने की कोशिशों को कोरोना की वजह से झटका लगा।

श्रीलंका आरसीईपी व्यापारिक संगठन में होगा शामिल: विक्रमसिंघे

कोलंबो ।

राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) व्यापार ब्लॉक में शामिल होना चाहता है, जिसमें चीन और जापान जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। श्रीलंका अपनी संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण का प्रयास कर रहा है और उसे उम्मीद है कि आरसीईपी में शामिल होने से उसे लाभ मिलेगा। कोलंबो में इंडोनेशिया के दूतावास में आयोजित दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की 56वीं वर्षगांठ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीलंका आसियान देशों के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा` कि पूर्वी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए श्रीलंका का आर्थिक ध्यान अब उधर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब जरूरत सभी क्षेत्रों में मिलकर काम करने की है ताकि उद्देश्य हासिल किया जा सके। विक्रमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका ने आरसीईपी की क्षमता को पहचानते हुए इस विशाल व्यापार ब्लॉक में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। श्रीलंका को आसियान सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की भी उम्मीद है। उसने पहले ही सिंगापुर के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है और थाईलैंड के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है।विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में भारी वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था।विक्रमसिंघे ने कहा कि हिंद महासागर के एक राज्य के रूप में श्रीलंका इस क्षेत्र को सैन्य हस्तक्षेप से मुक्त रखने का समर्थक है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 366 , निफ्टी 114 अंक गिरा

मुम्बई ।

शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिल रहे कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 365.53 अंक करीब 0.56 फीसदी टूटकर 65,322.65 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,727.80 तक ऊपर जाने के बाद 65,274.61 तक गिरा। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 114.80 अंक तकरीबन 0.59 फीसदी नीचे आया। निफ्टी दिन के अंत में 19,428.30 अंक पर पहुंचकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 19,557.75 तक ऊपर जाने के बाद 19,412.75 तक फिसला।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से केवल सात शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एचसीएल टेक, टाइटन, पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। एचसीएल के शेयर सबसे अधिक करीब 2.86 फीसदी तक उछले। इसके अलावा रिलायंस और एसबीआई के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 23 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनैंस और सन फार्मा सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इंडसइंड बैंक के शेयर करीब 2.18 फीसदी तक गिरे। वहीं आज सुबह भारतीय बाजार की शुरुआत` गिरावट के साथ हुई है। सेंसेक्स 117.50 अंक की गिरावट के साथ 65,570.68 के स्तर पर कारोबार कर रहा जबकि निफ्टी 35.40 अंक की गिरावट के साथ 19,507.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की मिलीजुली चाल देखने को मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों की घोषणा और साप्ताहिक एफएंडओ समाप्ति के बीच घरेलू इक्विटी बाजार उतार-चढ़ाव के कारण अस्थिर रहे। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

जियो फाइनेंसियल सर्विसेज के शेयरों की लिस्टिंग 28 को

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की फाइनेंशियल इकाई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों की लिस्टिंग 28 अगस्त को होने वाली है। कंपनी के शेयरों का भाव 261.85 रुपए तय किया गया है। जियो फाइनें सियल से र्विसेज के शेयर 10 अगस्त को शेयरहोल्डर्स के खातों में आ गए हैं। जिन निवेशकों के पास पहले से आरआईएल के शेयर थे उन्हें जियो फाइनें सियल सर्विसेजके शेयर मुफ्त दिए गए हैं। यानि अगर किसी के पास 10 आरआईएल के शेयर थे तो उसके डिमैट अकाउंट में अब जियो फाइनेंसियल से र्विसेज के 10 शेयर जुड़ गए हैं। इसके बाद ही अब शेयरों की लिस्टिंग होने वाली है। जियो फाइनें सियल से र्विसेज को पहले ही निफ्टी 50 और सेंसेक्स में शामिल कर लिया गया है। जब तक इसके शेयरों की इंडिपेंडेंट लिस्टिंग नहीं हो जाती तब तक इसके शेयर भाव में कोई बदलाव नहीं होगा। 28 अगस्त को लिस्टिंग के बाद तीन दिन के भीतर इसे सभी सूचकांकों से हटा दिया जाएगा। जियो फाइनेंसियल सर्विसेज के शेयरों का भाव 261.85 रुपए तय किया गया है। पिछले महीने जुलाई 2023 में स्टॉक एक्सचेंज पर एक स्पेशल सेशन के जरिए जियो फाइनेंशियल के शेयरों का भाव डिस्कवर किया गया था। यह भाव ब्रोकरेज के अनुमान से ज्यादा है। ब्रोकरेज से 190 रुपए शेयर प्राइस रहने का अंदाजा लगाया था। जबकि रिलायंस के लिए जियो फाइनें सियल से र्विसेजकी एक्विजिशन कॉस्ट 133 रुपए है। जियो फाइनें सियल से र्विसेज के शेयरों के मौजूदा भाव के मुताबिक, इसका मार्केट कैप 166 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। इसी के साथ रिलायंस की यह फाइनेंशियल कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी एनबीएफसी बन चुकी है।

भारत में एवोकाडो, अंगूर, ब्लूबेरी, सोना निर्यात की संभावनाएं तलाश रहा पेरू

नई दिल्ली ।

भारत और पेरू के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत बहाल करने पर सहमति के साथ दक्षिण अमेरिकी देश भारत को एवोकाडो, अंगूर, ब्लूबेरी और सोना का निर्यात करने की संभावनाएं तलाश रहा है। पेरू की उप विदेश व्यापार मंत्री टेरेसा स्टेला मेरा गोमेज ने यहां यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत और पेरू की तकनीकी टीमें प्रस्तावित समझौते के तौर-तरीकों और दायरे पर बातचीत शुरू करने के लिए मिलेंगी। दोनों देशों ने 2017 में एफटीए के लिए बातचीत शुरू की थी और कोविड महामारी के कारण प्रक्रिया बाधित होने से पहले अगस्त 2019 तक पांच दौर की वार्ता हुई थी। गोमेज ने कहा कि हम एफटीए पर फिर से बात करने जा रहे हैं। महामारी के कारण कई चीजें बदल गईं हैं, इसलिए हम अतिरिक्त तौर-तरीकों की फिर से योजना बनाना चाहते हैं। जब उनसे भारत में पेरू की व्यावसायिक रुचि के क्षेत्रों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि पेरू की मुख्य रुचि एवोकाडो, अंगूर और ब्लूबेरी जैसे कृषि उत्पादों और सोना, तांबा और कैल्शियम फॉस्फेट जैसे प्राकृतिक संसाधनों के निर्यात में है। उन्होंने कहा कि भारत में बेचे जाने वाले अधिकांश ब्लूबेरी पेरू से आते हैं।

वोडाफोन आइडिया पर 2.09 लाख करोड़ का कर्ज

- कंपनी ने लोन चुकाने के लिए मांगा समय

नई दिल्ली ।

कर्ज संकट का सामना कर रही टेलीकॉम ऑपरेटर वोडाफोन आइडिया ने कथित तौर पर अपने मौजूदा बकाया को चुकाने के लिए दिसंबर के अंत तक का समय मांगा है। कंपनी का कहना है कि दिसंबर तक वो बैंकों और थर्ड-पार्टी निवेशकों से कर्जा चुकाने के लिए फंड जुटा लेगी। साथ ही कंपनी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि प्रमोटर्स वोडाफोन आइडिया को सपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दूरसंचार विभाग के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए वोडाफोन आइे डिया ने धन जुटाने में देरी के कारण चल रही लिक्विडिटी चुनौतियों का हवाला दिया। डीओटी ने 21 जुलाई को नकदी संकट से जूझ रही कंपनी को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क के भुगतान में कमी आने के लिए एक पत्र भेजा था। 28 जुलाई को, मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर ने वित्त वर्ष 2023 की मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 24 की जून तिमाही के लिए क्रमशः शेष 50 प्रतिशत और 90 प्रतिशत लाइसेंस शुल्क और एसयूसी का भुगतान करने के लिए दिसंबर तिमाही तक का समय देने का अनुरोध किया। वीआई ने वित्त वर्ष 2023 को 2.09 लाख करोड़ रुपए के ऋण और 230 करोड़ रुपए के नकद शेष के साथ समाप्त किया। कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च तिमाही में बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर उसका कर्ज 11,390 करोड़ रुपए था। इसमें से 8,380.4 करोड़ रुपए का भुगतान 31 मार्च 2024 तक करना है। वीआई ने कहा कि उसे आने वाले समय में फंड जुटाने की प्रक्रिया को बंद करने की उम्मीद है, जिससे वह डीओटी को बकाया भुगतान करने में सक्षम हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि फंड जुटाने में देरी इसलिए हुई क्योंकि मौजूदा ऋणदाताओं के साथ-साथ थर्ड पार्टी के इक्विटी निवेशक चाहते हैं कि वीआई के प्रमोटर पहले वादा किए गए फंड लाएं।

महिंद्रा साउथ अफ्रीका में शोकेस करेगी नई एसयूवी

-दुनियाभर में सुनाई देगी इसकी गूंज

नई दिल्ली।

महिंद्रा कंपनी साउथ अफ्रीका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को शोकेस करेगी और इसकी गूंज दुनियाभर में सुनाई देगी। ये कोई आम एसयूवी नहीं होगी बल्कि ये होगी महिंद्रा थार ईवी। थार के ईवी मॉडल को लेकर लंबे समय से चर्चा थी लेकिन इसको लेकर कंपनी ने कोई भी जानकारी नहीं दी थी। लेकिन अब खबर है कि कंपनी इसका कॉन्सेप्ट मॉडल पेश करेगी। पहले से दुनिया भर में अपना परचम लहरा रही महिंद्रा थार का ईवी मॉडल भी बड़ा खास होगा और इसको लेकर कंपनी ने बड़ी तैयारी भी की है। इस कार को कंपनी ने इलेक्ट्रिक बनाने के साथ ही कई बदलाव भी किए हैं। आइये जानते हैं क्या खास बदलाव आपको इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में देखने को मिलेंगे।थार ईवी को मार्केट में सबसे बड़ा कंपीटीशन दूसरी इलेक्ट्रिक एसयूवी की रेंज से होगा। इसके चलते कंपनी इस थार ईवी की रेंज को 500 किलोमीटर से भी ज्यादा रख सकती है। महिंद्रा की फिलहाल एक्सयूवी 400 इलेक्ट्रिक एसयूवी मार्केट में है जिसकी रेंज को लेकर कंपनी का दावा है कि ये सिंगल चार्ज में 456 किलोमीटर चलती है।

हालांकि थार को ज्यादा रेंज और पावर देनी होगी।थार ईवी में कंपनी चार्जिंग की परेशानी को कम करने भी जा रही है। क्योंकि ये एक एसयूवी है और आउटडोर ड्राइव इसकी ज्यादा होगी जिसके चलते कार को सुपर फास्ट चार्जिंग की जरूरत होगी। कंपनी इसको लेकर इस कॉन्सेप्ट में जानकारी दे सकती है। थार ईवी में कंपनी स्पेस का भी पूरा ध्यान रखेगी और इसमें फिलहाल मौजूद एसयूवी से ज्यादा स्पेस दी जाएगी।

हर शहर में अलग है पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली ।

देश में एक साल से अधिक वक्त से तेल की कीमतें स्थिर हैं, लेकिन राज्य स्तर पर लगने वाले टैक्स के कारण विभिन्न शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। शुक्रवार 11 अगस्त को देश के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम में कुछ उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इधर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बात करें तो आज इसमें कुछ कमी देखी जा रही है। कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर भारतीय तेल कंपनियों द्वारा रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के लेटेस्ट रेट अपडेट किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल डीजल के नए रेट अपटेड कर दिए गए हैं। चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सोना और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं के कमजोर होने से स्थानीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट के साथ कारोबार देखा गया है। सोने की कीमतों में रेकॉर्ड गिरावट देखने को मिल रही है। सोना जो अभी तक 59 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहा था अब 58 हजार रुपए के करीब पहुंच रहा है। चांदी की कीमतों में भी शुक्रवार को गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर शुक्रवार की सुबह डिलीवरी वाला सोना 58800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह गुरुवार की शाम को 58853 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। सोना अब 58 हजार के करीब पहुंच रहा है। चांदी की कीमतों में शुक्रवार की सुबह गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार की सुबह डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरावट के साथ 70050 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर खुला है। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव गिरकर 71419 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला है। सोने की वैश्विक कीमतों में शुक्रवार को मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 3.70 डॉलर की गिरावट के साथ 1,945.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं सोने का वैश्विक हाजिर भाव बढ़त के साथ 1913.09 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में शुकवार को गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर शुक्रवार की सुबह चांदी 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 22.72 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत भी गिरावट के साथ 22.67 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

एशिया कप में भी जारी रहेंगे वेस्टइंडीज दौरे जैसे प्रयोग: रोहित

–विराट को मिल सकता है आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने साफ कर दिया है कि वेस्टइंडीज दौरे की तरह ही एशिया कप में भी प्रयोग जारी रहेंगे। माना जा रहा है कि खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण भी कप्तान के पास प्रयोग के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। विश्वकप को अभी दो माह से भी कम समय रह गया है। तब भी टीम में हो रहे प्रयोगों से हर कोई हैरान है। वेस्टइंडीज दौरे में रोहित और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी जगह पर युवाओं को अवसर दिया था हालांकि ये प्रयोग भी खास सफल नहीं रहा। विश्वकप को देखते हुए अब तक ये तय हो जाना था कि कौन सा खिलाड़ी किस स्थान पर खेलेगा पर ऐसा हो नहीं पाया है। रोहित ने एक दिन पहले ही कहा था कि अभी भी ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनके हमें जवाब चाहिए। साथ ही कहा कि एशिया कप में मैं कुछ खिलाड़ियों को अच्छी टीमों के खिलाफ दबाव में बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहता हूं। मैं अभी भी उन चीजों को देखना चाहता हूं, इसलिए हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या होता है। रोहित की इसी बात ने साफ कर दिया कि टीम इंडिया की विश्व कप की तैयारी अभी भी पूरी नहीं हुई है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में रोहित कप्तान थे। वहीं विराट भी उस टीम में शामिल थे। इसके बाद के दोनों मैच इन्होंने नहीं खेले , इसके साथ ही पहले मैच में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। रोहित पहले एकदिवसीय में 7वें नंबर पर उतरे थे और अगले दो मैच में वह नहीं उतरे। विराट-रोहित की जगह उन खिलाड़ियों को सीरीज में अवसर दिया गया, जो लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर के पूरी तरह फिट नहीं होने की हालत में खेल सकें हालांकि इसका भी कोई लाभ नहीं दिख रहा है। युव खिलाड़ी अपने को साबित नहीं कर पाये। सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को मध्यक्रम में मौका मिले पर दोनों ही बल्लेबाज प्रभावी नहीं रहे। चोटिल खिलाड़ियों के अब तक नहीं उबर पाने के कारण टीम प्रयोग के लिए मजबूर नजर आती है। कप्तान रोहित ने यह कह दिया कि एशिया कप में भी प्रयोग जारी रहेंगे।

रोहित ने साफ कर दिया है कि किसी का भी चयन तय नहीं है। मेरा भी नहीं। उन्होंने माना कि कुछ खिलाड़ियों का एशिया कप में खेलना तय है पर हर खिलाड़ी को अपने स्थान को पक्का करने के लिए प्रदर्शन करना होगा। हमें कुछ सवालों के जवाब चाहिए इसलिए दबाव भरे मुकाबलों में कुछ बल्लेबाजों का खेल देखना चाहेंगे. रोहित का इशारा साफ है, सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को अपने खेल का स्तर ऊंचा उठाना होना. साथ ही शुभमन गिल भी टॉप ऑर्डर में पिछले कुछ मुकाबलों से बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं तो उन्हें भी रन बनाने होंगे. वर्ना उलटफेर की गुंजाइश को पूरी तरह दरकिनार नहीं किया जा सकता है.

केएल राहुल- श्रेयस अय्यर की फिटनेस ने ये सारे सवाल खड़े किए हुए हैं. इसी वजह से विश्व कप को लेकर अबतक तस्वीर साफ नहीं हुई है. इसलिए ही ये सवाल उठ रहे कि विश्व कप से पहले इतने प्रयोग कितने जायज हैं? क्या टीम को सिर्फ उन्हीं 15 को मौका नहीं देना चाहिए जो विश्व कप में खेलेंगे? क्योंकि पिछले साल टी20 विश्व कप में टीम इंडिया प्रयोग का खामियाजा उठा चुकी है.

भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, शनिवार को होनी थी वोटिंग

मांट्रियल। (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) चुनावों के संबंध में एक बड़े घटनाक्रम में, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) द्वारा दायर एक याचिका के बाद शनिवार (12 अगस्त) को होने वाले मतदान पर रोक लगा दी है। यह रोक अगले आदेश तक है। हरियाणा कुश्ती संघ ने हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ (एचडब्ल्यूए) को डब्ल्यूएफआई चुनावों में वोट डालने की अनुमति देने के कदम को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। एचडब्ल्यूए का नेतृत्व संसद सदस्य दीपिंदर हुड्डा करते हैं और यह आधिकारिक तौर पर डब्ल्यूएफआई और हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन (एचओए) से संबद्ध है।

डब्ल्यूएफआई के नियमों के मुताबिक, एक राज्य संघ अपने चुनाव में वोट डालने के लिए दो सदस्यों को भेज सकता है। लेकिन हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने भी दावा किया है कि उनका डब्ल्यूएफआई से जुड़ाव है और उन्हें चुनाव में वोट देने का अधिकार है। हरियाणा कुश्ती संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील रविंदर मलिक ने खुलासा किया कि एचएडब्ल्यूए हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध नहीं है इसलिए वे वोट देने के हकदार नहीं हैं। वहीं, हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने दावा किया कि एचडब्ल्यूए चुनाव प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकता क्योंकि वह डब्ल्यूएफआई से मान्यता प्राप्त नहीं है। एचडब्ल्यूए के प्रतिनिधि मलिक ने कहा, ''यदि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी जाती है, तो इससे पूर्वाग्रह पैदा होगा और साथ ही डब्ल्यूएफआई चुनाव भी अवैध माने जाएंगे।'' अदालत ने इस पर संज्ञान लिया और कहा कि यह किसी के प्रति पूर्वाग्रह पैदा कर सकता है और प्रथम दृष्ट्या लगता है कि हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ वोट डालने की पात्रता नहीं रखता है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विनोद एस भारद्वाज की अदालत ने डब्ल्यूएफआई के चुनावों पर रोक लगा दी है।

विश्व कप 2023 के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में तेजी से चल रही तैयारियां

बेंगलुरू (एजेंसी)। इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए यहां के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जोर शोर से तैयारियां चल रही हैं। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने स्टेडियम में सुधार (नवीनीकरण) का जरूरी कार्य शुरू कर दिया है। विश्व कप के दौरान इस स्टेडियम में पांच मैच खेले जाएंगे। केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट ने केएससीए महाराजा टी20 ट्रॉफी के अनावरण अवसर पर कहा, 'कुछ दिन पहले आईसीसी की टीम के निरीक्षण के बाद हमने नवीनीकरण का कार शुरु कर दिया है। जिसके तहत स्टैंड का नवीनीकरण, कुछ नई सीट लगाना और स्टेडियम में शौचालय का नवीनीकरण भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा मुख्य लक्ष्य स्टेडियम में बेहतर सुविधाओं को उपलब्ध कराना है जिससे की सभी लोगों को खेल देखने का आनंद मिल सके।

गौरतलब है कि विश्व कप के दौरान बेंगलुरू में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच 20 अक्टूबर, इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 26 अक्टूबर, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच चार नवंबर, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच नौ नवंबर और भारत व नीदरलैं नीदरलैंड के बीच 12 नवंबर को मैच खेले जाएंगे। कर्नाटक में देश की कई टीमें अभी अभ्यास कर रहे हैं इसके साथ ही कुछ इंग्लिश काउंटी टीम भी बेंगलुरू में ट्रेनिंग चाहती हैं। इसी को देखते हुए केएससीए राज्य में कुछ और स्टेडियम बनाएगा। वहीं केएससीए के उपाध्यक्ष संपत कुमार ने कहा कि केएससीए के 13 अगस्त से शुरु हो रहे टी20 टूर्नामेंट पर बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी इकाई की नजरें रहेंगी।

इस कारण विश्वकप के लिए संभावितों की घोषणा नहीं कर पा रहा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए आईसीसी ने पांच सितंबर तक संभावित टीम की घोषणा करने को कहा है। अब तक केवल ऑस्ट्रेलिया ने ही विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित की है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) कब टीम घोषित करता है ये देखना होगा। बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ी परेशानी खिलाड़ियों का चोटिल होना है। अभी श्रेयस अय्यर और लोकेश राहुल सहित कई टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ी चोटिल हैं। विश्वकप की शुरुआत 5 अक्टूबर से होगी। इसका पहला मुकाबला गत चैंपियन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को इसी मैदान खेला जाएगा।

आईसीसी की समयसीमा के अनुसार सभी टीमों को 5 सितंबर तक अपनी-अपनी टीमों की सूची आईसीसी को देनी होगी। हालांकि टीमें 27 सितंबर तक इनमें बदलाव कर सकती है। सभी टीमों को अपने दल में 15-15 खिलाड़ी रखने की अनुमति होगी। 5 सितंबर से 27 सितंबर तक टीमों को बिना किसी मंजूरी के दल में बदलाव करने की इजाजत होगी, मगर अगर इसके बाद टीमों को दल में कोई बदलाव करने होंगे तो उसके लिए आईसीसी की अनुमति लेनी होगी।

टीम इंडिय के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी कर रहे हैं। इस सीरीज के दौरान उनकी फिटनेस और उनके प्रदर्शन को देखा जाएगा। वहीं राहुल और अय्यर भी अभी रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। अगर वे फिट होते हैं तो उसके बाद टीम घोषित कर दी जाएगी। वहीं अगर इनमें से कोई भी खिलाड़ी 5 सितंबर से पहले पूरी तरह से फिट नहीं होता तो उसके लिए विकल्प तलाशने होंगे। यह भी कहा जा रहा है कि बीसीसीआई ने विश्व कप 2023 के लिए 18-19 खिलाड़ियों का चयन किया है पर अंत में इनमें से केवल 15 खिलाड़ियों को ही रखा जाएगा।

विश्व कप 2023 से पहले भारतीय टीम एशिया कप के अलावा ऑस्ट्रेलिया से एकदिवसीय सीरीज भी खेलेगी। ऐसे में इन दोनो ही सीरीजों के बाद ये साफ हो जाएगा कि किन 15 खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह देनी होगी। ये भी तय है कऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरी टीम ही विश्कप के लिए उतरेगी।

'मुश्किल लक्ष्य', विश्व कप में खेलने पर केन विलियमसन का बड़ा बयान आया सामने

क्राइस्टचर्च ।केन विलियमसन ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि भारत में होने वाले आईसीसी विश्व कप 2023 में उनके खेलने की संभावनायें काफी कम हैं क्योंकि न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज सर्जरी से अब भी उबरने की प्रक्रिया में चल रहा है ।विलियमसन के घुटने के 'एंटीरियर क्रुसिएट लिगामेंट' (एसीएल) की इस साल अप्रैल में सर्जरी हुई थी। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के शुरुआती मैच में गुजरात टाइटन्स की ओर से अहमदाबाद में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलते हुए यह चोट लगी थी ।विलियमसन ने कहा, 'विश्व कप में खेलना हमेशा ही विशेष होता है ।इसे (चोट को) ठीक होने में कितना समय लगेगा या मैं किस दिन वापसी करूंगा, यह इस समय बस अटकलबाजी ही है ।' उन्होंने कहा, 'हां, निश्चित रूप से संभावना काफी कम है लेकिन फिर यह लक्ष्य काफी मुश्किल है ।पर विश्व कप जैसा टूर्नामेंट हमेशा आपको प्रेरित करता है ।'

एशिया कप और विश्वकप में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगे शाकिब

नई दिल्ली ।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एशिया कप और एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए ~ अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को टीम का कप्तान बनाया है ।शाकिब दूसरी बार टीम के कप्तान बने हैं क्योंकि हाल ही में चोटिल होने के बाद एकदिवसीय टीम के कप्तान तमीम इकबाल ने पद छोड़ दिया था। बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने शाकिब के नाम की घोषणा कर कहा कि शाकिब एशिया कप और विश्व कप के लिए बांग्लादेश की एकदिवसीय टीम के कप्तान होंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपने घर पर कहा, हमने शाकिब को एशिया कप और विश्व कप के लिए कप्तान बनाया है ।वहीं विश्व कप और एशिया कप के लिए टीम की घोषणा कल की जाएगी ।अब तक केवल ऑस्ट्रेलिया ने ही विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित की है ।ऐसे में अगर विश्व कप के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपनी टीम की घोषणा करता है तो बांग्लादेश पहली ऐसी दूसरी टीम होगी, जो इस मल्टीनेशन टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम घोषित करेगा।

रोहित ने बताया, विराट के टी20 सीरीज से बाहर रहने का कारण

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कप्तान रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टी20 सीरीज में उनके और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बाहर रखे जाने का कारण बताया है ।रोहित के अनुसार ये कदम चोट से बचने के लिए किया था ।रोहित ने कहा, पिछले साल भी हमने यही किया था ।तब टी20 विश्वकप के कारण हमने एकदिवसीय क्रिकेट नहीं खेला ।वहीं हम अब कर रहे हैं ।एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए ही हम टी20 क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। साथ ही कहा कि आप सब कुछ खेलकर विश्व कप के लिए तैयार नहीं रह सकते ।हमने दो साल पहले यह फैसला लिया था। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इसी कारण टी20 से बाहर रखे गये हैं ।रोहित ने माना कि एकदिवसीय विश्व कप से पहले टीम को नंबर चार बल्लेबाज का चयन करने में परेशानी हो रही है ।उन्होंने कहा कि चोटों के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा, देखिए, नंबर 4 हमारे लिए पहले से परेशानी रहा है ।गौरतलब है कि साल 2019 एकदिवसीय विश्व कप के बाद से ही भारतीय टीम ने चौथे नंबर पर 11 से अधिक खिलाड़ियों को आजमाया है पर केवल श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत ही 10 से अधिक पारियां खेल पाये हैं। ऋषभ कार हादसे के कारण अभी तक पूरी तरफ से फिट नहीं हो पाये हैं ।इस कारण वह विश्व कप से बाहर हो गए है ।वहीं श्रेयस अय्यर पीठ की सर्जरी के बाद से ही वापसी नहीं कर पाये हैं। उन्होंने नंबर 4 पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए श्रेयस अय्यर को सराहा।

खेल मंत्रालय ने पहलवानों को रोमानिया भेजा, एशियाई खेलों से पहले होगा विशेष ट्रेनिंग शिविर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली ~ एशियाई खेलों की टीम में शामिल छह पहलवान खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) को सहायता देने की योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेनिंग शिविर और प्रतियोगिता के लिए तीन सहयोगी स्टाफ सदस्यों के साथ रोमानिया के लिए रवाना हुए।

शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरे के दौरान टीम 18 से 20 अगस्त तक इयोन कोर्नियानू और लाडिस्लाऊ सिमोन टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। विज्ञप्ति के अनुसार यह अंतरराष्ट्रीय दौरा 15 दिन का होगा जिसमें टीम की ट्रेनिंग का पूरा खर्चा, टिकट और ठहरने की व्यवस्था, वीजा का खर्च और 'आउट ऑफ पॉकेट' भत्ते का पूरा खर्चा उठाया जाएगा।

एशियाई खेल 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझोउ में आयोजित होंगे। रोमानिया दौरे पर गए ग्रीको रोमन पहलवान : ज्ञानेंदर (60 किग्रा), नीरज (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा - खेलो इंडिया एथलीट), सुनील कुमार (87 किग्रा - टॉप्स एथलीट), नरिंदर चीमा (97 किग्रा - खेलो इंडिया एथलीट) और नवीन (130 किग्रा)।

टीम के लिए एकदिवसीय विश्वकप जीतना चाहते हैं बोल्ट

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा है कि उनकी टीम इस बार भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को जीतेगी। बोल्ट को केन्द्रीय अनुबंध नहीं होने के बाद भी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में रखा गया है। उससे तय है कि उन्हें विश्वकप के लिए भी टीम में जगह मिलेगी। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि टीम में वापसी के साथ ही एकदिवसीय विश्व कप के लिए प्रयास करने मेरे लिए अहम रहेगा। साथ ही कहा कि पिछले आयोजनों में हमारा अनुभव बेहद रोमांचक रहा है। इसलिए मैं टीम के साथ जुड़ने और बड़ी भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं। उम्मीद है कि इस बार हम ट्रॉफी जीतने में सफल रहेंगे। बोल्ट ने गत वर्ष न्यूजीलैंड क्रिकेट के केन्द्रीय अनुबंध को तोड़कर टी20 क्रिकेट लीग खेलने का फैसला लिया था। वह कई अवसरों पर फ्रेंचाइजी लीग प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए न्यूजीलैंड की टीम से भी बाहर रहे हैं। बोल्ट ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के अपने फैसले पर कहा था कि एक साल पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट से दूर जाना आसान फैसला नहीं था। मैं कभी नहीं चाहता था कि न्यूजीलैंड और फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बीच के चयन हो। मैं केवल इतना जानता था कि मेरा करियर कितना लंबा रहेगा और एक गेंदबाज के रूप में अपने बचे हुए समय का अधिकतम लाभ उठाना चाहता था। मैं निश्चित रूप से अब भी पहले की तरह अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हूं। उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में अच्छा प्रदर्शन करुंगा। बोल्ट ने कहा कि मैं अब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का बहुत सम्मान करता हूं। यह क्रिकेट खेलने का सपना देखने वाले किसी भी बच्चे के लिए बेहद अहम है और मेरी राय में एकदिवसीय विश्व कप अभी भी क्रिकेट का शीर्ष है। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपने अनुबंध से हटने का निर्णय लिया, तो यह घर पर थोड़ा अधिक समय बिताने के लिए था। मैं जल्द ही दुनिया भर में बहुत अधिक क्रिकेट खेलने में समय बिताने लगा।

फीडे विश्व कप शतरंज – विदित और अर्जुन नें प्री क्वाटर फाइनल में बनाई जगह

बाकू, अजरबैजान ।फीडे विश्व कप शतरंज में चौथे दौर के दो क्लासिकल मुकाबलों के बाद भारत के विदित गुजराती और अर्जुन एरिगासी नें सीधे शीर्ष 16 में अपना स्थान तय कर लिया है जबकि प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष खिलाड़ी डी गुकेश, प्रज्ञानन्दा और निहाल सरीन कल टाईब्रेक के मुक़ाबले खेलेंगे जबकि महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली क्वाटर फाइनल में जगह बनाने के लिए कल टाईब्रेक खेलेंगी ।पुरुष वर्ग में चौंथे दौर के पहले मुक़ाबले में जीत दर्ज करने वाले विदित गुजराती नें दूसरे दिन काले मोहरो से खेलते हुए फ्रांस के एटीने बेक्रोट के खिलाफ ड्रॉ खेलते हुए जीत के लिए जरूरी आधा अंक बना लिया और इसके साथ ही लगातार दूसरे विश्व कप में वह शीर्ष 16 में पहुँच गए है ।वहीं कल जीत के करीब जाकर चूकने वाले अर्जुन एरिगासी नें आज एक शानदार एंडगेम में उज्बेकिस्तान के जवोखीर सिंदारोव को मात देते हुए विदित की तरह 1.5–0.5 के स्कोर से पांचवें दौर में स्थान बनाया ।भारत के शीर्ष विश्व नंबर 9 खिलाड़ी डी गुकेश नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से, प्रज्ञानन्दा नें विश्व नंबर दो यूएसए के हिकारु नाकामुरा से और निहाल सरीन नें रूस के यान नेपोमनिशी से लगातार दूसरा मुक़ाबला ड्रॉ खेला और 1–1 से बराबर रहे और अब टाईब्रेक का सामना करेंगे ।महिला वर्ग में भारत की शीर्ष खिलाड़ी कोनेरु हम्पी को जॉर्जिया की बेला खोटेनाश्विली से कल हार का सामना करना पड़ा था पर आज उन्होने शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया तो हरिका द्रोणावल्ली नें फ्रांस की एलिने रोएबेर्स से लगातार दूसरा ड्रॉ खेला और अब इन्हे टाईब्रेक का सामना करना होगा ।

पारालुएलो के गोल से स्पेन महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में

वेलिंगटन ।सलमा पारालुएलो के अतिरिक्त समय में किये गये गोल की मदद से छठी रैंकिंग पर काबिज स्पेन ने शुक्रवार को यहां नीदरलैंड को 2–1 से हराकर पहली बार महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया ।दो यूरोपीय मजबूत टीमों के बीच कड़े नॉकआउट मुकाबले में पारालुएलो ने 111वें मिनट में विजयी गोल दागा।

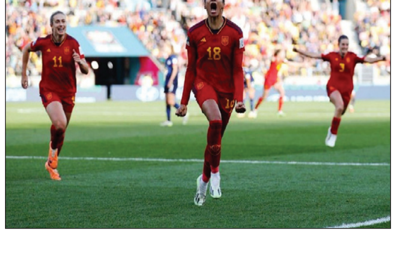

नीदरलैंड की टीम चार साल पहले फ्रांस में फाइनल में अमेरिका से हार गयी थी और अब दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं ।मारियोना कालडेंटी ने 81वें मिनट में गोल कर स्पेन को 1–0 से बढ़त दिलायी। नियमित समय के अंतिम 10 मिनट में नीदरलैंड की डिफेंडर स्टेफानी वान डर ग्राग्ट 'खलनायिका' से 'नायिका' बन गयीं जिन्होंने अपनी टीम के लिए बराबरी गोल दागा ।उनकी हैंडबॉल की वजह से ही स्पेन को 81वें मिनट में पेनल्टी मिली थी जिस पर मारियोना ने गोल दागा था ।फिर 19 वर्षीय पारालुएलो ने अतिरिक्त समय में बायें पैर से मुश्किल कोण से लगे शॉट से टीम के लिए विजयी गोल किया ।उन्होंने कहा, ''यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है ।हम सफल रहे ।हम अंत तक लड़ते रहे। हमें भरोसा था।'' इस मैच के लिए दर्शकों की संख्या 32,000 से ऊपर थी जिसमें न्यूजीलैंडके प्रधानमंत्री क्रिस हिपिकिन्स और फीफा अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो भी शामिल थे।

एशिया कप में पाकिस्तान का ये खिलाड़ी बढ़ाएगा भारत की मुश्किल, भारतीय बल्लेबाजों को रहना होगा सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 के आगाज में बस कुछ ही दिन शेष हैं। इसके लिए पाकिस्तान टीम ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में कई शानदार तेज गेंदबाज हैं। जो अकेले दम पर विपक्षी टीम की बैटिंग को तहत-नहस कर सकता है। इनमें शाहीन शाह अफरीदी मौजूदा समय में 'द हंड्रेड' में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसके बाद कहा जा रहा है कि वो एशिया कप में भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। लेकिन पाक टीम में शाहीन से बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं हारिस रउफ, जो फिलहाल द हंड्रेड खेल रहे हैं। साथ ही अपनी कहर बरपाती गेंदाबजी से बल्लेबाजों का होश उड़ा रखा है।

बता दें कि, हारिस रउफ के पास केवल रफ्तार नहीं, बल्कि उनके पास ऐसा हथियार है जो भारतीय बल्लेबाजों की नींद उड़ाने के लिए पर्याप्त है। दरअसल, एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच पहला मुकाबला 2 सितंबर को श्रीलंका के कैंडी में खेला जाएगा। दोनों टीमों की पिछले मुकाबलों पर एक नजर डालें तो नई गेंद से शाहीन अफरीदी और नसीम शाह भारतीय टीम की मुश्किल बढ़ा सकते हैं।

पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ हारिस रउफ ने बेहतरीन गेंदबाजी की थी। उस समय उन्होंने रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट किया था। जिस कारण इस बार भारतीय बल्लेबाजों को हारिस से पार पाना भी मुश्किल होगा।

भारतीय बल्लेबाजों को हारिस से पाना पाना मुश्किल

हारिस रउफ बेहद ही चालाकी से बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाते हैं। द हंड्रेड में हारिस ने 20 गेंद में 20 रन देकर 2 विकेट झटके। रउफ ने फीनिक्स के लिए दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। लेकिन एक बल्लेबाज का काम रफ्तार से ही खत्म कर दिया तो एक को बड़ी चालाकी से अपने जाल में फंसाया। इसी कारण से हारिस एशिया कप में टीम इंडिया के लिए बड़ा खतरा बन कर उभरेंगे।

जल बचत और फसल बढ़ाए

ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी

भारत में सिंचित क्षेत्र निवल बुवाई क्षेत्र का लगभग 36 प्रतिशत है। वर्तमान में कृषि क्षेत्र में संपूर्ण जल उपयोग का लगभग 83 प्रतिशत जल उपयोग में लाया जाता है। शेष 5, 3, 6 और 3 प्रतिशत जल का उपयोग क्रमशः घरेलू, औद्योगिक व उर्जा के क्षेत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। भविष्य में अन्य जल उपयोगकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ जाने के कारण विस्तृत होते हुए सिंचित क्षेत्र के लिए जल की उपलब्धता सीमित हो जाएगी। सिंचाई की परंपरागत सतही विधियों में जल की क्षति अधिक होती है। यदि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की विधियों को अपनाया जाए तो इन हानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इन सभी सिंचाई की विधियों में से ड्रिप सिंचाई सर्वाधिक प्रभावी है और इसे अनेक फसलों, विशेषकर सब्जियों, बागानी फसलों, पुष्पों और रोपण फसलों में व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई में इमीटरों और ड्रिपरों की सहायता से पानी पौधों की जड़ों के पास डाला जाता है या मिटटी की सतह अथवा उसके नीचे पहुंचाया जाता है। इसकी दर 2-20 लीटर/घंटे अर्थात बहुत कम होती है। जल्दी-जल्दी सिंचाई करके मृदा में नमी का स्तर अनुकूलतम रखा जाता है। ड्रिप सिंचाई के परिणामस्वरूप जल अनुप्रयोग की दक्षता बहुत उच्च अर्थात लगभग 90-95 प्रतिशत होती है। विशिष्ट ड्रिप सिंचाई प्रणाली चित्र में दर्शायी गयी है।

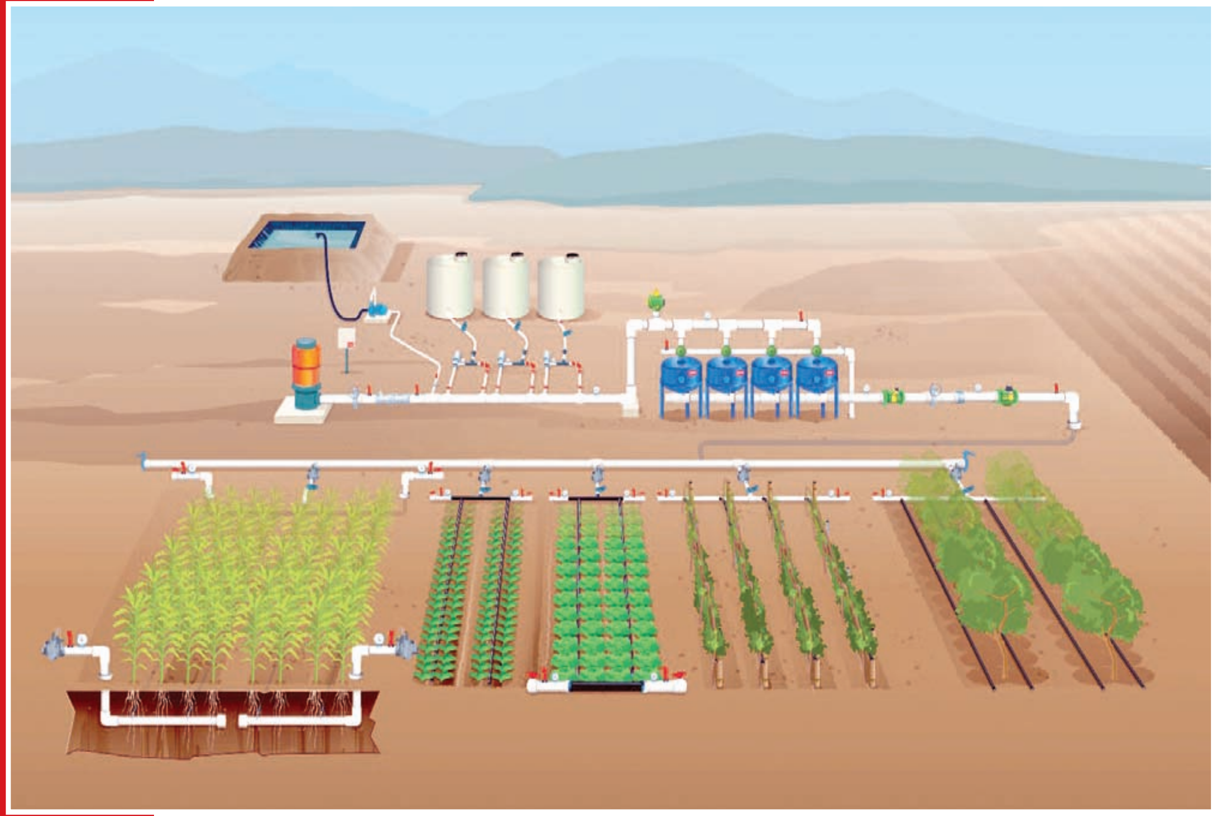

ड्रिप सिंचाई का इतिहास

भारत के कुछ भागों में प्राचीन परंपरा के अंतर्गत ड्रिप सिंचाई का उपयोग हुआ है और इसके द्वारा घर के आंगन में रखे तुलसी के पौधे की सिंचाई की जाती थी। गर्मियों के मौसम में पौधों की सिंचाई के लिए वृक्षों या पौधों के पास एक छोटा छेद करके पानी से भरा घड़ा लटका दिया जाता था जिससे बूंद-बूंद कर पानी टपकता रहता था। अरूणाचल प्रदेश के आदिवासी किसानों ने पतले बांस को पानी के प्रवाह के रूप में नाली का इस्तेमाल करते हुए ड्रिप सिंचाई प्रणाली को आदिप्रथा के रूप में अपनाया था। उप-सतही सिंचाई में ड्रिपरों का उपयोग जर्मनी में 1869 में पहली बार किया गया। 1950 के दशक के दौरान और इसके पश्चात पैट्रोरसायन उद्योग में हुई तेजी से वृद्धि से कम लागत पर प्लास्टिक के पाइपों का निर्माण करना संभव हुआ। ये पाइप धातु या सीमेंट-कंक्रीट से बने पाइपों की तुलना में सस्ते व सुविधाजनक थे। प्लास्टिक के पाइप दबाव के अंतर्गत जल को वहन करने में सुविधाजनक होते हैं तथा इन्हें वांछित संरचना में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

प्लास्टिक से बने ड्रिप सिंचाई के खेतों या बागों में उपयोग में आने वाले पाइप व्यवहारिक दृष्टि से उत्तम होते हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का विकास खेत फसलों के लिए इजराइल में 1960 के दशक के आरंभ में तथा आस्ट्रेलिया व उत्तरी अमेरिका में 1960 के दशक के अंत में हुआ। इस समय अमेरिका में ड्रिप सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र है जो लगभग 1 मिलियन हैक्टर है। इसके बाद भारत, स्पेन, इजराइल आदि देश आते हैं। भारत में पिछले लगभग 15 वर्षों के दौरान ड्रिप सिंचाई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्तमान में, भारत सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हमारे देश में लगभग 3.51 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई की जाती है जबकि 1960 में यह क्षेत्र केवल 40 हैक्टेयर था। महाराष्ट्र (94,000 है.), कर्नाटक (66,000 है.) और तमिलनाडू (55,000 है.) कुछ ऐसे राज्य हैं जिनमें बड़े क्षेत्रों में ड्रिप सिंचाई की जाने लगी है। भारत में सिंचाई की ड्रिप विधि से अनेक फसलें सींची जाती हैं। सबसे अधिक प्रतिशत वृक्षों में की जाने वाली ड्रिप सिंचाई का है जिसके बाद लता वाली फसलों, सब्जियों, खेत फसलों व अन्य फसलों का स्थान आता है।

ड्रिप और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के लिए विकास की क्षमता

ड्रिप सिंचाई प्रणाली सभी बागानी व सब्जी वाली फसलों के लिए उपयुक्त है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली को प्याज और भिंडी सहित घनी फसलें उगने वाले खेतों में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के बागवानी में प्लास्टीकल्चर अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय समिति ने अनुमान लगाया है कि देश में कुल 27 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जा रहा है।

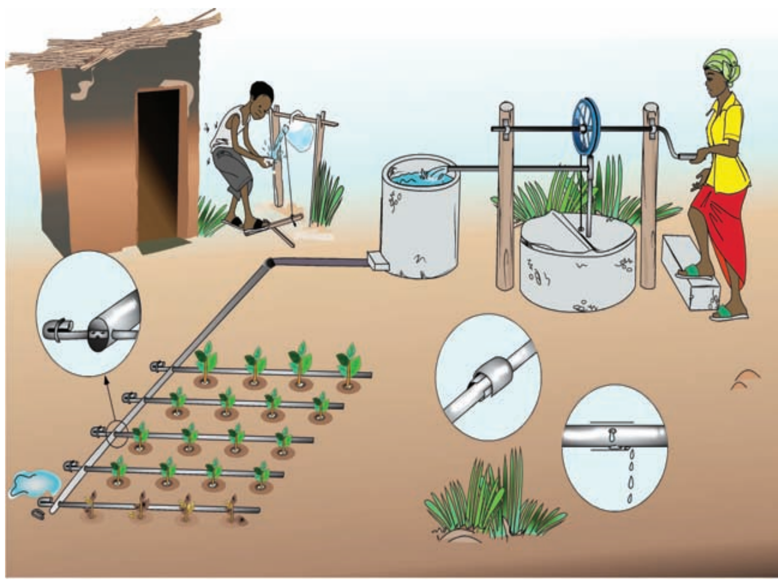

टपक सिंचाई प्रणाली

ड्रिप प्रणाली सिंचाई की उन्नत विधि है, जिसके प्रयोग से सिंचाई जल की पर्याप्त बचत की जा सकती है। यह विधि मृदा के प्रकार, खेत के ढाल, जल के स्त्रोत और किसान की दक्षता के अनुसार अधिकतर फसलों के लिए अपनाई जा सकती हैं। ड्रिप विधि की सिंचाई दक्षता लगभग 80-90 प्रतिशत होती है। फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-सथ इस विधि से उपज की उच्च गुणवत्ता, रसायन एवं उर्वरकों का दक्ष उपयोग, जल के विक्षालन एवं अप्रवाह में कमी, खरपतवारों में कमी और जल की बचत सुनिश्चित की जा सकती है।

इस विधि का उपयोग पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। सीमित जल संसाधनों और दिनों दिन बढ़ती हुई जलावश्यकता और पर्यावरण की समस्या को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक निःसन्देह बहुत कारगर सिद्ध होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि को सममतल करना मंहगा और कठिन या असंभव हो उन क्षेत्रों में व्यावसायिक फसलों को सफलतापूर्वक उगाने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक सर्वाधिक उपयुक्त है। ड्रिप तंत्र एक अधिक आवृति वाला ऐसा सिंचाई तंत्र है जिसमें जल को पौधों के मूलक्षेत्र के आसपास दिया जाता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा पौधे को आवश्यकतानुसार जल दिया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा 30-40 प्रतिशत तक उर्वरक की बचत, 70 प्रतिशत तक जल की बचत के साथ उपज में 100 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त खरपरवारों में कमी, ऊर्जा की खपत में बचत और उत्पाद की गुणवत्ता में बढ़ोतरी भी होती है।

जल की बचत : 70 प्रतिशत तक जल की बचत। सिंचाई का जल सतहपर बह कर और जमीन में मूलक्षेत्र से नीचे नहीं जाता है। सिंचाई के जल का बड़ा हिस्सा वाष्पन, रिसाव और जमीन में ज्यादा गहराई तक जाकर बर्बाद होता है।

जल के उपयोग की दक्षता : 80 से 90 प्रतिशत तक, 30-50 प्रतिशत, क्योंकि बहुतसारा सिंचाई का जल फसल तक पहुँचने में और खेत में वितरण में बर्बाद हो जाता है।

श्रम की बचत : ड्रिप तंत्र को लगभग प्रतिदिन शुरू और बन्द करने के लिए श्रम की बहुत कम आवश्यकता होती है। इसमें प्रति सिंचाई ड्रिप से ज्यादा श्रम की जरूरत होती है।

खरपतवार की समस्या : मिट्टी का कम हिस्सा नम होता है, इसलिए खेत में खरपतवार भी कम होते हैं।

खारे जल का उपयोग : जल्दी-जल्दी सिंचाई करने के कारण जड़ तंत्र में अधिक नमी रहती है और लवणों की सान्द्रता हानिकारक स्तर से कम रहती है। लवणों का सान्द्रण जड़ तंत्र में बढ़ जाता है, जिससे जड़ों कीवृद्धि रूक जाती है, इसलिए खारे जल का उपयोग नहीं करपाते हैं।

बीमारियों और कीड़े-मकोड़ों की समस्या : पौधों के आसपास वायुमण्डल में नमी की सान्द्रता कम रहती है, इसलिए पौधों में बीमारियों और कीड़े-मकोड़े लगने की संभावना कम रहती है।

खराब मृदाओं में उपयुक्तता : ड्रिप सिंचाई द्वारा मृदा में जल के वितरण को मृदा की प्रकार के अनुसार नियोजित किया जा सकता है। इसलिए, ड्रिप सिंचाई सब प्रकार की मृदाओं के लिए प्रयुक्त की जा सकतीहै।

जल का नियंत्रण : बिल्कुल सही और सरल ढंग से संभव।

उर्वरक उपयोग की दक्षता : निच्छालन और अपवाह न होने के कारण पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं, इसलिए इनके उपयोग की दक्षता बढ़ जाती है। पोषक तत्व निच्छालन और बहाव में नष्ट हो जाते हैं, इसलिए उनके उपयोग की दक्षता निम्न होती है।

भूक्षरण : मिट्टी की सतह का आंशिक और नियंत्रित हिस्सा ही गीला होता है, इससे भूक्षरण नहीं होता है।

पैदावार में बढ़ोतरी : जल्दी-जल्दी सिंचाई से मिट्टी में जल तनाव नहीं रहता है और पौधों की वृद्धि अधिक होती है, जिससे पैदावार 100 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

ड्रिप सिंचाई के साथ-साथ फर्टिगेशन भी पहुंचता है पौधों तक

फर्टिगेशन दो शब्दों फर्टिलाइज़र अर्थात् उर्वरक और इर्रिगेशन अर्थात् सिंचाई से मिलकर बना है। ड्रिप सिंचाई में जल के साथ–साथ उर्वरकों को भी पौधों तक पहुँचाना फर्टिगेशन कहलाता है। ड्रिप सिंचाई में जिस प्रकार ड्रिपरों के द्वारा बूंद–बूंद कर के जल दिया जाता है, उसी प्रकार रासायनिक उर्वरकों को सिंचाई जल में मिश्रित करके उर्वरक अंतः क्षेपक यंत्र की सहायता से ड्रिपरों द्वारा सीधे पौधों के पास पहुँचाया जा सकता है। फर्टिगेशन उर्वरक देने की सर्वोत्तम तथा अत्याधुनिक विधि है।

फर्टिगेशन को फसल एवं मृदा की आवश्यकताओं के अनुरूप उर्वरक व जल का समुचित स्तर बनाए रखने के लिए अच्छी तकनीक के रूप में जाना जाता है। जल और पोषक तत्वों का सही समन्वय अ धि क पैदावार और गुणवत्ता की कुंजी है। फर्टिगेशन द्वारा उर्वरकों को कम मात्रा में जल्दी–जल्दी और कम अन्तराल पर पूर्वनियोजित सिंचाई के साथ दे सकते हैं, इससे पौधों को आवश्यकतानुसार पोषक तत्व मिल जाते हैं और मूल्यवान उर्वरकों का निच्छालन द्वारा अपव्यय भी नहीं होता है।

सामान्यतः फर्टिगेशन में तरल उर्वरकों का ही प्रयोग किया जाता है परन्तु दानेदार और शुष्क उर्वरकों को भी फर्टिगेशन के द्वारा दिया जा सकता है। फर्टिगेशन के द्वारा शुष्क उर्वरकों को देने से पूर्व उनका जल में घोल बनाया जाता है। उर्वरकों के जल में घोलने की दर उनकी विलेयता और जल के तापमान पर निर्भर करती है। उर्वरकों के घोल को फर्टिगेशन से पहले छान लेना चाहिए।

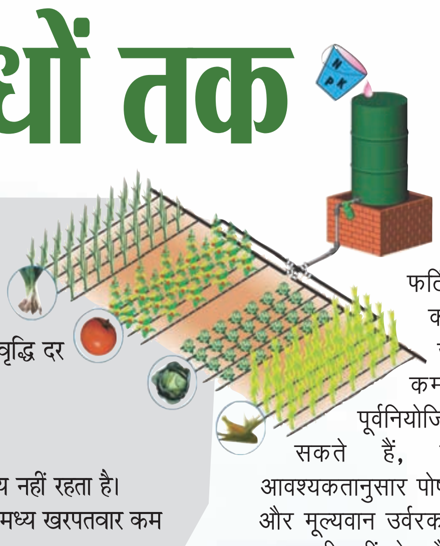

फर्टिगेशन से लाभ

- फर्टिगेशन जल एवं पोषक तत्वों के नियमित प्रवाह को सुनिश्चित करता है जिससे पौधों की वृद्धि दर तथा गुणवत्ता में वृद्धि होती है।
- फर्टिगेशन द्वारा पोषक तत्वों को फसल की मांग के अनुसार उचित समय पर दे सकते हैं।
- फर्टिगेशन पोषक तत्वों की उपलब्धता और पौधों की जड़ों के द्वारा उनका उपयोग बढ़ा देता है।
- फर्टिगेशन उर्वरक देने की विश्वस्तरीय और सुरक्षित विधि है। इससे पौधों की जड़ों को हानि पहुँचने का भय नहीं रहता है।
- फर्टिगेशन से जल और उर्वरक पौधों के मध्य न पहुंचकर सीधे उनकी जड़ों तक पहँचते हैं इसलिए पौधों के मध्य खरपतवार कम संख्या में उगते हैं।
- फर्टिगेशन से भूमिगत जल का प्रदूषण नहीं होता है।
- फर्टिगेशन से फसलों के पूरे वृद्धि काल में उत्पादन को बिना कम किए, उर्वरक धीरे-धीरे दिए जा सकते हैं। ?
- उर्वरक-उपयोग की किसी अन्य विधि की तुलना में फर्टिगेशन सरल एवं अधिक सुविधाजनक है जिससे समय और श्रम की बचत होती है।
- ड्रिप सिंचाई द्वारा फर्टिगेशन करने से बंजर भूमि (रेतीली या चट्टानी मृदा) में जहां जल एवं
- तत्वों को पौधे के मूल क्षेत्र के वातावरण में नियन्त्रित करना कठिन होता है, फसल ली जा सकती है।
- उर्वरक-उपयोग की दक्षता बढ़ती है और उर्वरक की कम मात्रा में आवश्यकता होती है

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निज्जर हत्या मामले में कनाडाई एजेंसियों ने खतरे में भारत का उल्लेख नहीं किया

–निज्जर के करीबी ने दी यह जानकारी

लंदन । अलगाववादी तत्वों ने कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन निज्जर के एक करीबी ने कहा है कि कनाडाई कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उनके जीवन के संभावित खतरे के बारे में जानकारी देकर भारत का उल्लेख नहीं किया। खालिस्तानी समर्थक निज्जर को निशाना बनाए जाने से बचने के लिए स्थानांतरित होने और अपनी दिनचर्या बदलने की सलाह दी गई थी। निज्जर की हत्या के बाद से खालिस्तान समर्थक समूह कनाडा में भारत के राजनयिकों को निशाना बनने का पोस्टर अभियान चला रहे हैं। निज्जर की हत्या के कारणों की अभी जांच चल रही है। जबकि अलगाववादी तत्वों ने सरे शहर में 18 जून को निज्जर की हत्या के लिए नई दिल्ली को दोषी ठहराया है। सूत्र ने कहा कि निज्जर को इस साल कई मौकों पर कैनेडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस या सीएसआईएस और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस या आरसीएमपी दोनों ने टेलीफोन पर बातचीत और फॉलो-अप ईमेल एक्सचेंज के दौरान जानकारी दी थी। निज्जर को स्थानांतरित होने और अपनी दिनचर्या बदलने की सलाह दी गई थी ताकि उसे आसानी से निशाना न बनाया जा सके। निज्जर ने ये जानकारियां सूत्र को बताई थीं। हालाँकि, निज्जर और खालिस्तान समर्थक समूहों ने अनुमान लगाया कि खतरा भारत से था। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी या एनआईए ने उसे पकड़ने में मदद करने वाली जानकारी के लिए पिछले साल जुलाई में 10 लाख के पुरस्कार की घोषणा की थी। हालाँकि, उनके खिलाफ किसी भी आरोप का कनाडाई अदालतों में परीक्षण नहीं किया गया और एसएफजे ने कहा है कि वह हिंसा का उपयोग नहीं करता है।

बिहार से खरीदी डिग्री से चीन में पढ़ाई.....नेपाल में जाकर गिरफ्तार

काठमांडू । शैक्षणिक प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़ा करने के आरोप में गुरुवार को एक नेपाली सांसद को गिरफ्तार किया गया। नेपाली कांग्रेस के सांसद सुनील कुमार शर्मा ने कथित तौर पर बिहार से उच्च माध्यमिक शैक्षणिक डिग्री खरीदी और इसका इस्तेमाल चीन में उच्च अध्ययन करने के लिए किया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस प्रवक्ता कुबेर कदायत के हवाले से बताया कि नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) की एक टीम ने नेपाल की सत्तारूढ़ पार्टी के प्रतिनिधि सभा के सदस्य सुनील शर्मा को काठमांडू से गिरफ्तार किया है। सुनील शर्मा को नेपाली कांग्रेस में शेखर कोइराला गुट का करीबी माना जाता है और उनकी गिरफ्तारी ने सत्तारूढ़ गठबंधन में हलचल मचा दी है। कुछ मेडिकल कॉलेजों और निजी कॉलेजों के मालिक सुनील शर्मा की गिरफ्तारी उस समय में हुई है, जब उन्होंने पिछले महीने एक छापे में जब्त किए गए 100 किलोग्राम सोने की कथित तस्करी पर गृह मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ और वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत का इस्तीफा मांगा था। पिछले माह 18 जुलाई की रात को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कस्टम से बिना पता चले लगभग 100 किलोग्राम सोने की तस्करी के संबंध में एक भारतीय और एक चीनी नागरिक सहित 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सुनील शर्मा ने मांग की थी कि दोनों मंत्री भी तत्काल प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा दें। उन्होंने कहा था, 'वर्तमान वित्त मंत्री और गृह मंत्री को इस जांच में यह पुष्टि करने में सक्षम होना चाहिए था कि हमने तस्करी के पीछे के मुख्य अपराधी को पकड़ लिया है या एक समय सीमा देनी चाहिए थी कि अपराधी कब तक पकड़ लिए जाएंगे। अन्यथा, जांच को और सुविधाजनक बनाने के लिए उन्हें तब तक अपने पद से हट जाना चाहिए, जब तक तस्करी के पीछे का मुख्य व्यक्ति पकड़ा नहीं जाता।

स्विमिंग पूल के लिए खुदाई कर रहे व्यक्ति को मिली अनोखी चीज

एडिनबरा । एक स्कॉटिश व्यक्ति अपने बच्चे के लिए बैकयार्ड में स्विमिंग पूल बनाने के मकसद से खुदाई कर रहा था। इस खुदाई में 44 वर्षीय पॉल मैकडॉनल्ड को जो मिला वहां देखकर हैरान रह गए। पॉल को यहां 8,000 साल पुरानी डॉल्फिन की हड्डियां मिली हैं। उन्हें वहां कुछ भी दफन होने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जब उन्होंने यह पाया तब समझ में आया कि 8000 साल पहले यहां पानी ही पानी रहा होगा। मैकडॉनल्ड चार बच्चों के पिता हैं। मैकडॉनल्ड्स ने कहा, मैं स्विमिंग पूल की खुदाई कर रहा था तभी मुझे कुछ असामान्य चीज दिखी। मैंने खोपड़ी की गोलाई देखी और फिर थूथन और दांत देखे, और मुझे तुरंत पता चल गया कि यह डॉल्फिन है। डॉल्फिन की हड्डियों को लगभग 31 इंच नीचे मिट्टी में संरक्षित किया गया था। पुरातत्वविदों का मानना है कि वे 8,000 वर्षों तक वहां दबे रहे होंगे। 10 फुट लंबे कंकाल के साथ हिरण के सींग से बना एक टूटा हुआ उपकरण था, जिसका उपयोग डॉल्फिन का मांस काटने के लिए किया गया होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि प्राचीन स्थानीय लोगों ने भोजन के रूप में डॉल्फिन का आनंद लिया होगा।

तुर्किये में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, 23 लोग घायल

इस्तांबुल। दक्षिणी तुर्किये में गुरुवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे इमारतों को नुकसान पहुंचा और 23 लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र मालट्या प्रांत के येसिलुर्ट शहर में था और अदियामान में भी इसके झटके महसूस किए गए। दोनों प्रांत फरवरी में आए विनाशकारी भूकंप से भी प्रभावित हुए थे, जिसमें तुर्किये और सीरिया में कम से कम 50,000 लोग मारे गए थे। तुर्किये के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने कहा कि मालट्या और अदियामन में झटके कारण इमारतों के गिरने की आशंका से लोगों ने उनमें से बाहर छलांग लगा दी जिससे कई लोग जख्मी हो गए।

हवाई में जंगलों में भीषण आग, 53 लोगों की मौत

हवाई । हवाई के माउई काउंटी में लाहैना के जंगलों में भीषण आग से करीब 53 लोगों की मौत हो गई तथा हजारों लोगों को वहां से भागना पड़ा। डोरा तूफान के कारण जंगलों में लगी आग भड़क उठी जिससे कई कारें जल गई और कई ऐतिहासिक इमारतें मलबे के ढ़ेर में बदल गई। रात भर आग की लपटें उठती रहीं जिससे जान बचाने के लिए बच्चों और व्यस्कों को समुद्र में घुसना पड़ा। माउई काउंटी ने अद्यतन मृत्यु दर की घोषणा कर लिखा कि वर्तमान में मौतों पर कोई अन्य विवरण उपलब्ध नहीं है। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि आग की वजह से 271 ढांचे क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए तथा दर्जनों लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि माउई की टीमें द्वीप पर कई स्थानों पर आग पर काबू पाने की कोशिश करती रहीं। तटरक्षक बल ने बताया कि उसने आग की लपटों और धुएं से बचने के लिए समुद्र में कूदे 14 लोगों को बचाया, जिसमें दो बच्चे भी शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि आग की चपेट में आने से तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए जिन्हें ओहू द्वीप पर स्ट्राब मेडिकल सेंटर की बर्न यूनिट में ले जाया गया। उन्होंने बताया कि कम से कम 20 मरीजों को माउई मेमोरियल मेडिकल सेंटर ले जाया गया और एक अग्निशमन कर्मी को धुएं की वजह से सांस की समस्या होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग की वजह से कई उड़ाने रद्द होने के बाद अन्य 2,000 यात्रियों ने काहुलुई हवाई अड्डे पर शरण ली। अधिकारी हजारों विस्थापित पर्यटकों और लोगों के लिए होनोलूलू में हवाई कन्वेंशन सेंटर तैयार कर रहे थे। राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने हरसंभव मदद का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि हवाई नेशनल गार्ड ने आग बुझाने और खोज एवं बचाव कार्यों के लिए चिनूक हेलीकॉप्टरों को तैनात किया हुआ है। बाइडन ने कहा, हमारी प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने घरों, व्यवसायों और समुदायों को नष्ट होते देखा है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि हवाई से आ रही भयावह तस्वीरों को देखना कठिन है। ओबामा का जन्म हवाई में हुआ था।

श्रीलंकाई नौसेना ने घोषणा की कि कोलंबो में चीनी युद्धपोत रुका

कोलंबो । श्रीलंकाई नौसेना ने घोषणा की है कि एक चीनी युद्धपोत द्वीप राष्ट्र की 3 दिवसीय औपचारिक यात्रा पर कोलंबो बंदरगाह पर रुका है। एक बयान में नौसेना ने कहा कि चीन की आर्मी का युद्धपोत गुरुवार को कोलंबो पहुंचा। 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल सवार है और इसकी कमान कमांडर जिन शिन के पास है।

सियोल में एक महिला समुद्री तूफान खनून के कारण हो रही बारिश के बीच छाता लेकर निकलती हुई।

भारतीय बच्चों का यौन शोषण करने वाले ब्रिटिश टीचर को हुई 12 साल की सजा

लंदन । ब्रिटेन के पूर्व प्रायमरी टीचर को भारतीय बच्चों के यौन शोषण के मामले में लंदन की एक जिला अदालत ने 12 साल की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार यह मामला भारतीय बच्चों से जुड़ा हुआ है। दोषी की पहचान दक्षिण लंदन के ईस्ट डलविच के रहने वाले मैथ्यू स्मिथ के रूप में हुई। ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी एनसीए का कहना है कि 35 साल के स्मिथ को पिछले साल नवंबर में अरेस्ट किया गया था। जांच के दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि वो 17-18 साल के भारतीय बच्चों से संपर्क करता और रुपये के एवज में इन्?हें 13 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों के साथ यौन शोषण कर, उनके फोटो व वीडियो मुहैया कराने के लिए कहता था। जांच एजेंसी ने बताया कि मैथ्यू स्मिथ में पीड़ित बच्चों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। उसने कम उम्र के युवकों को बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के लिए मजबूर किया। दोषी शख्स ऐसे मौकों की तलाश में रहता, जिसके तहत वो भारतीय बच्चों तक अधिक से अधिक पहुंच बना सके। जांच एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि पूर्व टीचर स्मिथ अपनी गिरफ्तारी के वक्त भी ऑनलाइन था और वो भारत में रहने वाले एक कम उम्र के बच्चे से बातचीत कर रहा था। वो इस बच्चे को मोटी रकम ऑफर कर बदले में एक अन्य छोटे बच्चे की यौन तस्वीरें भेजने के लिए कह रहा था। स्मिथ के कंप्यूटर पर डार्क वेब भी खुला था। एनसीए की तरफ से कहा गया कि मैथ्यू स्मिथ बच्चों के लिए एक बड़ा खतरा है। यह सुनिश्चित किया गया है कि वो लंबा वक्त जेल में बिताए। उसके चैट और बैंक स्टेटमेंट की जांच की गई, जिसमें पता चला कि वो भारत में रहने वाले एक किशोर को बच्चों के यौन शोषण के लिए कुल 65,398 पाउंड दे भी चुका था।

जी-20 शिखर सम्मेलन और भारत में चीन के राजदूत का चयन, 10 महीने बाद भी जिनपिंग नियुक्ति से क्यों कतरा रहे हैं?

बीजिंग (एजेंसी)। अक्टूबर 2022 में पूर्व राजदूत सन वेइदॉन्ग के पद से हटने के बाद चीन ने भारत में करीब एक साल से राजदूत नियुक्त नहीं किया है। भारत में नए चीनी दूत की नियुक्ति में देरी सितंबर में भारत में होने वाले प्रमुख जी20 शिखर सम्मेलन से पहले और अधिक दबाव वाली हो गई है। कई पर्यवेक्षकों ने 10 महीने की लंबी देरी को असामान्य बताया है। हालाँकि भारत में मौजूदा चीनी दूतावास के प्रभावी राजदूत मा जिया हैं, लेकिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अन्य देशों के लिए ऐसी कई नियुक्तियाँ करने के बावजूद भारत के लिए एक राजदूत की नियुक्ति को टालते रहे हैं। यह पहली बार है जब भारत में राजदूत का पद इतने लंबे समय तक खाली रहा है। पूर्व दूत वेइडोंग को अब विदेश उप मंत्री नियुक्त किया गया है।

मोदी जिनपिंग की ब्रिक्स समिट में हो सकती है मुलाकात

इस बीच, चीन ने किसी दूत को नियुक्त करने या इस पद के लिए कोई नाम सुझाने में कोई तत्परता नहीं दिखाई है। यह ध्यान देने वाली बात येहै कि यह नियुक्ति पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गई है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 22-24 अगस्त तक जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होने की उम्मीद है।

क्या चीन ने किसी राजनयिक को शॉर्टलिस्ट किया है?

भारत में चीनी दूत की नियुक्ति में देरी को अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन बीजिंग सही नियुक्ति पाने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा होगा। इस पद के लिए जिन लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया है उनमें हुआंग ज़ीलियन शामिल हैं जो फिलीपींस में वर्तमान राजदूत हैं और 2019 से इस पद पर हैं और अब उनका कार्यकाल समाप्त होने वाला है। एक अन्य उम्मीदवार ऑस्ट्रेलिया में चीनी राजदूत जिओ कियान हैं। इस बीच, यह जानना महत्वपूर्ण है कि चीन के विदेश मंत्रालय में इस समय उथल-पुथल मची हुई है, क्योंकि उसने किन गैंग को विदेश मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया है।

दागबाज निकाला श्रीलंका...मदद के बाद चीन की गोद में जा बैठा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका ने फिर से ऐसा कदम उठाया है, जिससे उसके रिश्ते भारत के साथ खराब हो सकते है। आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका की पैसे से लेकर राशन तक की मदद करने वाला श्रीलंका अब चीन की गोदी में पहुंच गया है। चीन की नौसेना का, निगरानी करने में सक्षम एक युद्धपोत कोलंबो बंदरगाह पहुंचा है। लगभग एक साल पहले चीन का एक अन्य जासूसी जहाज जब श्रीलंका के एक रणनीतिक बंदरगाह आया था तब भी भारत की ओर से चिंता जाहिर की गई थी। हालांकि श्रीलंका सरकार ने तब भी भारत की चिंता को दरकिनार कर दिया था।

श्रीलंकाई नौसेना ने कहा है कि चीन की सेना 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का नौसैनिक युद्धपोत हाइ यांग 24 हाओ गुरुवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंचा। जहाज की वापसी शनिवार को होनी है। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा, कोलंबो पहुंचे 129 मीटर लंबे जहाज पर 138 लोगों का दल सवार है और इसकी कमान कमांडर जिन शिन के पास है। जहाज कल देश से प्रस्थान करने वाला है।' खबरों के अनुसार, भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने उसके आगमन में देरी कर दी थी।

चीनी अधिकारियों ने इसके लिए पहले ही अनुमति मांगी थी, लेकिन भारत के प्रतिरोध के कारण श्रीलंका ने अनुमति देने में देरी की। श्रीलंका द्वारा भारतीय अधिकारियों को जानकारी दिये जाने के बावजूद, भारत अनुसंधान जहाज की श्रीलंका यात्रा को लेकर चिंतित रहा है। पिछले साल अगस्त में, चीन के बैलिस्टिक मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज, युआन वांग 5 की इसी तरह की यात्रा पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की थी। चीन का उक्त जहाज श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पहुंचा था। भारत को आशंका थी कि श्रीलंकाई बंदरगाह जाने के रास्ते में जहाज की प्रणाली से भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की जासूसी करने का प्रयास किया जा सकता है।

जितनी जल्दी हो सके नाइजर से निकलें, भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने अफ्रीकी देश नाइजर में भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। नागरिकों को जितनी जल्दी हो सके देश छोड़ने के लिए कहा गया है। मीडिया को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत सरकार नाइजर में चल रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। मौजूदा स्थिति के मद्देनजर, जिन भारतीय नागरिकों की उपस्थिति आवश्यक नहीं है, उन्हें जितनी जल्दी हो सके देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। वे ध्यान रखें कि हवाई क्षेत्र वर्तमान में बंद है। भूमि सीमा के माध्यम से प्रस्थान करते समय, सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक सावधानी बरती जा सकती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जो लोग आने वाले दिनों में नाइजर की यात्रा की योजना बना रहे हैं, उन्हें भी इसी तरह पुनर्विचार करने की सलाह दी जाती है स्थिति सामान्य होने तक उनकी यात्रा की योजना है।यह पूछे जाने पर कि नाइजर में कितने भारतीय नागरिक हैं, मंत्री ने कहा कि वहां लगभग 250 हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि वे सभी पंजीकरण कराएं। हमें बताया गया है कि वे सुरक्षित हैं। हमारा दूतावास उन्हें देश छोड़ने के लिए रसद की सुविधा प्रदान करने की कोशिश कर रहा है।

पूर्व पीएम इमरान ने सऊदी अरब को किया था नाराज: शहबाज शरीफ

–प्रिंस सलमान के कहने पर मलेशिया नहीं गए इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में जारी सियासी उठापटक के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूर्व पीएम इमरान खान की सरकार पर हमला बोलकर सनसनीखेज खुलासा किया है। प्रधानमंत्री शरीफ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान पर आरोप लगाकर कहा कि इमरान खान की सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया, जिसकी कीमत पिछले 16 महीने के कार्यकाल में उनकी सरकार को चुकानी पड़ी।

शरीफ ने कहा, इमरान सरकार की मित्र देशों के प्रति रवैया किसी से छिपा नहीं है। इमरान सरकार ने अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की कार्य गति को कम किया। यहां तक इमरान खान सऊदी अरब को भी नाराज करने से बाज नहीं आ रहे थे, जबकि सऊदी अरब हर संकट में पाकिस्तान की मदद करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नवाज शरीफ के कार्यकाल (2013-17) के दौरान अभूतपूर्व प्रगति देखी थी और चीन, सऊदी अरब और तुर्की जैसे देशों के साथ संबंधों में सुधार हुआ था। जबकि इमरान ने इन देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाया। दरअसल, सऊदी के दबदबे वाले 57 इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी के समानांतर एक और संगठन बनाने की कोशिश की गई थी। इसके लिए मलेशिया में तुर्की, ईरान , कतर और पाकिस्तान सहित 20 से ज्यादा मुस्लिम देश एकजुट होने वाले थे। लेकिन ऐन मौके पर सऊदी अरब के दबाव के कारण इमरान को मलेशिया दौरा रद्द करना पड़ा था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान ने सऊदी अरब के दबाव में मलेशिया दौरा रद्द कर दिया था। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम इमरान खान को समन भेज बातचीत के लिए सऊदी अरब बुलाया था। जिसके बाद इमरान खान ने मलेशिया दौरा रद्द कर दिया था। इसके पहले इमरान ने तत्कालीन मलेशियाई प्रधानमंत्री महातिर बिन मोहम्मद के निमंत्रण पर कुआलालंपुर में होने वाली समिट में भाग लेने के लिए हामी भर दी थी।

कुदरत के कहर से बर्बाद हो गई फसलें, बाढ़ ने चीन को कर दिया कंगाल

–पहले पड़ा सूखा और अब भारी बारिश ने मचाई तबाही, ज्यादातर क्षेत्र हुए जलमग्न

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में इन दिनों कुदरत का भीषण कहर बरप रहा है। यहां पर जलवायु परिवर्तन की वजह से पहले भयंकर सूखे और गर्मी की मार झेलनी पड़ी थी। अब चीन में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ ने हलाकान कर रखा है। बताया जा रहा है कि यहां पर आए तूफान डोकसूरी की वजह से भीषण बारिश हो रही है। जिसके चलते बीजिंग और उसके आसपास के इलाके बाढ़ के पानी से जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की वजह से चीन के कई इलाकों की फसल पानी में बह गई है। जानकारी बता रहे हैं कि यहां पर अब स्थिति ऐसी बनने जा रही है कि चीन ने आने वाले दिनों में खाने के अनाज के लाले पड़ने वाले हैं। चीन का पूर्वी और उत्तरी हिस्सा काफी उपजाऊ है, लेकिन इस समय भीषण बाढ़ की वजह से सभी इलाके बाढ़ में डूबे हैं। अभी तक 10 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं जबकि 30 लोगों की मौत की खबर है।

यहां पर आई भीषण बाढ़ में कई लोग लापता हो गए हैं, जिन्हें तलाशा जा रहा है। यहां का हेबई प्रांत बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित बताया जा रहा है। ये चीन का सबसे उपजाऊ इलाकों में गिना जाता है। चीन के तीन प्रांत जो यहां के कृषि की लाइफ लाइन हैं उनमें हेइलोंगजियांग, जिलिन और लियाओनिंग, ये सभी इलाके अभी बाढ़ में डूबे हुए हैं। यहां उगाई जाने वाली तीन प्रमुख फसलें सोयाबीन, मक्का और चावल हैं। लेकिन बाढ़ की वजह से फसलें बर्बाद हो गईं हैं। जानकारी के अनुसार जिलिन प्रांत में 14 लोगों की बाढ़ से मौत हो चुकी है जबकि 18 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं हेइलोंगजियांग 90 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फैले फसल बाढ़ में बह गए हैं।

यहां पर चावल और सब्जियां पूरी तरह तबाह हो गईं हैं। हेइलोंगजियांग की राजधानी से सटे शांगजी में भी 42,575 हेक्टेयर में फैले फसल तबाह हो गए हैं। वहीं, वुचांग, जो चावल के उत्पादन के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है, वहां बाढ़ से तबाही का अभी आकलन किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल भीषण गर्मी की वजह गेहूं का उत्पादन पहले तबाह हो चुका है। अब भारी बारिश की वजह से चावल की फसल भी बर्बाद हो चुकी है। चीन के कृषि मंत्रालय ने भी कहा है कि देश का कृषि उद्योग पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

1974 में चांद पर गया था रूस, अब 47 साल बाद फिर से दुनिया को कराना चाहता है अपनी ताकत का एहसास

ढाका (एजेंसी)। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोमोस ने सोयुज 2.1बी रॉकेट पर लूना-25 लैंडर लॉन्च कर दिया। 11 अगस्त को वोस्तोचन कोस्मोड्रोम के लॉन्च पैड से इसे लॉन्च किया गया। देश ने 47 वर्षों में अपना पहला चंद्र लैंडर सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। लूना-25 मिशन न केवल रूस की तकनीकी शक्ति का प्रमाण है, बल्कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच एक रणनीतिक कदम भी है।

सफल लॉन्च

अंतरिक्ष यान ने अमूर ओब्लास्ट में वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से उड़ान भरी और 16 अगस्त तक चंद्र कक्षा में पहुंचने और 21-22 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है। लूना-25 का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा की चट्टान और धूल के नमूने एकत्र करना है। ये नमूने किसी भी संभावित आधार निर्माण से पहले चंद्र पर्यावरण को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

रूस का स्पेस में शक्ति प्रदर्शन

यह मिशन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब रूस यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। इन बाधाओं के बावजूद, रूस का अंतरिक्ष कार्यक्रम अविचलित है। लूना-25 मिशन को पश्चिम के प्रतिबंधों के खिलाफ रूसी शक्ति के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है, जिनमें से कई ने मॉस्को के एयरोस्पेस क्षेत्र को लक्षित किया है। रूस और अमेरिका यूक्रेन युद्ध को लेकर आमने-सामने हैं, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन चलाने की बात आने पर उन्होंने अपना सहयोग जारी रखा है।

रूस का अंतरिक्ष सफर

चांद हमेशा से हमारे लिए किसी रहस्य से कम नहीं है। हमने अक्सर किताबों में पढ़ा और सुना कि चांद पर कदम रखने वाले पहले अमेरिकी यात्री थे नील आर्मस्ट्रांग। 12 सितंबर, 1959 को सोवियत संघ ने लूना 2 लांच किया गया था। 1959 की मध्य रात्रि के बाद क़रीब 12 हज़ार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चांद की सतह से टकराया थ। इतनी तेज गति से टकराने के बाद लूना-2 पूरी तरह से नष्ट हो गया था।

1974 में चांद पर गया था रूस

रूस का आखिरी चांद लैंडर सोवियत संघ के जमाने में लूना-24 था। यह 18 अगस्त 1976 को चांद की सतह पर उतरा था। इस मिशन के तहत चांद की सतह के सैंपल रूस के वैज्ञानिकों को मिले थे। लूना 25 और चंद्रयान दोनों ही मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरेंगे। पूरी दुनिया की इस पर नजर है कि आखिर सबसे पहले कौन उतरेगा। रूसी स्पेस एजेंसी ने कहा है कि दोनों ही मिशन एक दूसरे के लिए कोई दिक्कत नहीं पैदा करने वाले, क्योंकि इनके बीच एक बड़ी दूरी होगी।

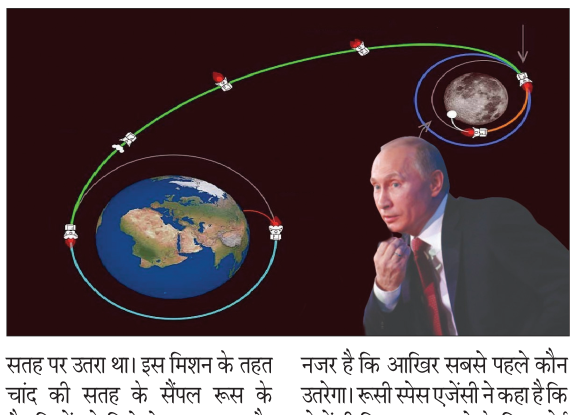

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा नेता की घर के सामने गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

मुरादाबाद । यूपी में बीजेपी नेता की निर्मम हत्या की गई है। पार्श्वनाथ हाउसिंग सोसायटी का परिसर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। शुक्रवार को बाइक सवार तीन हमलावरों ने भाजपा नेता अनुज चौधरी पर ताबड़तोड़ कई राउंड गोलियां चलाकर फरार हो गए। घायल अनुज चौधरी को तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने अनुज को मृत घोषित कर दिया। भाजपा किसान मोर्चा से जुड़े और भाजपा के कद्दवार नेताओं और मंत्रियों के करीबी अनुज चौधरी की मौत की खबर के बाद तमाम पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। 28 साल के अनुज चौधरी संभल जनपद के ग्राम एचोडा कांभो के रहने वाले थे और भारतीय जनता पार्टी के किसान मोर्चे से जुड़े हुए थे। असमोली की ब्लॉक प्रमुख बनी महिला के बेटे अनिकेत से अनुज की चुनाव के बाद काफी गर्मा गर्मी हो गई थी। अनुज चौधरी मौजूदा ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाने का ऐलान कर चुके थे, इसके बाद से ही दोनों में और ज्यादा तनातनी चल रही थी। अनुज चौधरी भारतीय जनता पार्टी के मंत्री और नेताओं के साथ अक्सर नजर आते थे। मृतक अनुज चौधरी को भाजपा के कद्दावर नेता स्वतंत्र देव सिंह का करीबी भी बताया जा रहा है। अनुज ने संभल पुलिस को अपनी जान का खतरा बताया था, तब भाजपा के बड़े नेताओं से संबंधों के चलते अनुज चौधरी को सुरक्षा के लिए गनर भी उपलब्ध कराए गए थे, जो 24 घंटे अनुज चौधरी की सुरक्षा में तैनात रहते थे। असमोली की मौजूदा अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष के लोगों के समर्थन में आ जाने के बाद से यह माना गया कि अनुज चौधरी का अपने विरोधियों से समझौता हो गया है उसी के मध्य अनुज चौधरी की सुरक्षा भी वापस ले ली गई थी लेकिन अपने फ्लैट से निकलकर बाहर टहल रहे अनुज चौधरी के ऊपर तीन बदमाशों ने हमला कर गोलियां मार दी जिसमें अनुज की मौत हो गई।

जवान देते रहे चेतावनी फिर भी नहीं रुका पाकिस्तानी घुसपैठिया, पंजाब के तरनतारन में बॉर्डर क्रॉस कर रहे शख्स को बीएसएफ ने किया ढेर

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास शुक्रवार को एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने सुबह थेकलां गांव के पास एक व्यक्ति की संदिग्ध हरकत देखी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को पंजाब के तरनतारन जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया। बीएसएफ के जवानों ने तरन तारन जिले के अंतर्गत थेकलां गांव के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी। सैनिकों ने घुसपैठिये को चुनौती दी लेकिन वह सीमा बाड़ की ओर आगे बढ़ता रहा। अधिकारी ने कहा, आसन्न खतरे को भांपते हुए और आगे के दुस्साहस को रोकने के लिए, बीएसएफ कर्मियों ने गोलीबारी की, जिससे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। इससे पहले जुलाई में, जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को बीएसएफ जवानों ने नाकाम कर दिया था, जिसमें एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया था। बीएसएफ के अनुसार, बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज करने और अरनिया सेक्टर में जबोवाल सीमा चौकी के पास सीमा बाड़ को पार करने में कामयाब होने के बाद भागने की कोशिश करने के बाद सतर्क सैनिकों ने घुसपैठिए को मार गिराया।

एनआईए को बेंगलुरु में अवैध रूप से रह रहे 24 बांग्लादेशी अप्रवासी मिले

बेंगलुरु। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तलाशी अभियान के दौरान बेंगलुरु में अवैध रूप से रह रहे 24 बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस सूत्रों ने दावा किया कि एनआईए ने शहर के बेलंदूर इलाके में एक तलाशी अभियान के दौरान तीन अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों - खलील चपरासी, अब्दुल खादिर और मोहम्मद ज़हीद को ट्रैक किया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अप्रवासी, जो वर्तमान में क्षेत्राधिकार बेलंदूर पुलिस की हिरासत में हैं, 2011 से देश में अवैध रूप से रह रहे थे। वे एक दलाल की मदद से 20 हजार रुपये देकर देश में दाखिल हुए। अवैध अप्रवासी आधार कार्ड, राशन कार्ड और अन्य सरकारी पहचान पत्र प्राप्त करने में भी कामयाब रहे। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में विदेशी अधिनियम की धारा 14 (सी), 14 (ए) और पासपोर्ट अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है और मामले की जांच कर रही है।

सुकेश ने प्रेम पत्र में जैकलीन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और कहा भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें मेरी बेबी गर्ल

नई दिल्ली । दिल्ली की मंडोली जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक और प्रेम पत्र में शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं और भविष्य में साथ में जश्न मनाने का वादा किया। चंद्रशेखर ने अभिनेत्री को बेबी गर्ल कहकर संबोधित करते हुए लिखा कि आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें मेरी बेबी गर्ल। तुम्हारा जन्मदिन मेरी जिंदगी में हर साल का सबसे खुशी का दिन होता है। वास्तव में यह मेरे लिए मेरे अपने जन्मदिन से भी अधिक मायने रखता है। आप हर गुजरते दिन के साथ और भी अधिक सुंदर और युवा होती जा रही हैं। मैं आपको बेहद याद कर रहा हूं, आपको कोई अंदाजा नहीं है। यह पत्र उनके वकील अनंत मलिक के माध्यम से शुक्रवार सुबह जारी किया गया। चंद्रशेखर ने लिखा कि मुझे तुम्हें विदेशी फूल उपहार देने और सबसे महत्वपूर्ण हमारी जादुई झप्पी और केक साझा करने के क्षण याद आते हैं। बेबी मैं वास्तव में आशा करता हूं कि तुम्हें मेरा जन्मदिन का उपहार पसंद आएगा। उसने लिखा कि मैं समझता हूं कि जानवरों के लिए आश्रय बनाने के आपके सपने को साकार करने से ज्यादा खुशी सोना, हीरे या मोती जैसी कोई भी भौतिक संपत्ति तुम्हें नहीं ला सकती है।

दिल्ली के स्कूली छात्रों को कक्षाओं में मोबाइल का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं : शिक्षा निदेशालय

नयी दिल्ली। शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली के सरकारी व निजी स्कूलों की कक्षाओं में छात्रों के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने पर सख्त पाबंदी है। शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को कक्षाओं, खेल के मैदानों, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों जैसे स्थानों पर मोबाइल फोन का उपयोग करने से बचने के लिए भी कहा गया है। डीओई ने एक परिपत्र में कहा, 卐माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे स्कूल परिसर में मोबाइल फोन न लाएं। यदि छात्र स्कूल में मोबाइल फोन लाते हैं, तो स्कूल प्राधिकरण को उन्हें लॉकर में रखने की व्यवस्था करनी चाहिए और छुट्टी होने के बाद छात्रों को मोबाइल फोन वापस लौटा देना चाहिए।卐 परिपत्र में स्कूल अधिकारियों को हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है, जहां छात्र व अभिभावक आपात स्थिति में कॉल कर सकें। यह परामर्श दिल्ली के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए जारी किया गया है।

शिवसेना विधायक के बेटे पर मारपीट और अपहरण का मामला दर्ज, तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई। वित्तीय विवाद को लेकर एक संगीत कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के साथ मारपीट और अपहरण में कथित संलिप्तता के लिए पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में शिवसेना के एक विधायक के बेटे पर भी मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, संगीत कंपनी के सीईओ 38 वर्षीय राजकुमार सिंह को गोरेगांव उपनगर में उनके कार्यालय से बुधवार शाम अगवा करने के बाद बदमाशों के एक समूह ने उन पर हमला किया था। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में शिवसेना विधायक प्रकाश सुर्वे के बेटे राज सुर्वे समेत 16 अन्य लोगों के खिलाफ वनराई पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 364ए (फिरौती के लिए अपहरण), 452 (चोट पहुंचाने के मकसद से घर पर अतिक्रमण), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 504 (नियम तोड़ने के इरादे से किया गया अपमान) और 506 (आपराधिक मंशा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

शाह ने लोकसभा में पेश किया ऐतिहासिक बिल

दाऊद जैसे भगौड़े अपराधियों पर चलेगा केस...सुनाई जाएगी सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से भागकर अपराधी चाहे दुनिया के किसी भी कोने छिप जाएं, मगर गायब रहने पर भी उन्हें देश में सजा होगी। इसके लिए एक नया कानून आ रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारे नए कानून में प्रावधान है कि दाऊद या कोई भी भगौड़ा दुनिया के किसी भी कोने में हो, उसकी गैर-मौजूदगी में भी कोर्ट में सुनवाई होगी और सजा सुनाई जाएगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने एक बहुत ऐतिहासिक फैसला किया है, यह फैसला हैं अनुपस्थिति में ट्रायल का। कई मामलों में दाऊद इब्राहिम वांटेड है। वहां देश छोड़कर भाग गया, लेकिन उस पर अदालत का ट्रायल नहीं चल सकता। आज हमारी सरकार ने तय किया है कि सेशन कोर्ट के जज उचित प्रक्रिया के बाद जिस अपराधी को भगौड़ा घोषित करते हैं, उसकी गैर-मौजूदगी में ट्रायल होगा और उस सजा भी सुनाई जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि किसी भी आरोपी को अगर सजा के खिलाफ अपील करनी है, तब उस आरोपी को भारत में आना होगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि हम तीन नए विधेयक लाएं हैं। आईपीसी 1860, सीआरपीसी 1898 और इंडियन एविडेंस एक्ट 1872, ये तीनों अंग्रेजों द्वारा लाए गए कानून थे। शाह ने कहा कि '1860 से 2023 तक देश की आपराधिक न्याय प्रणाली अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार काम करती रही। अब तीन कानून बदल जाएंगे और आपराधिक न्याय प्रणाली में बड़ा बदलाव होगा।

शाह ने कहा कि 'अब हम लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता विधेयक-2023, भारतीय साक्ष्य विधेयक-2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक ला रहे हैं। इसका उद्देश्य सभी को न्याय देना है। मैं सदन को आश्वस्त करता हूं इससे लोगों को न्याय मिलने में आसानी होगी। इन्हें स्टैंडिंग कमेटी में भेजा जा रहा है। आम आदमी इस नए कानून के केंद्र में होगा। शाह ने कहा कि 2019 में ही पीएम मोदी ने कहा था कि अंग्रेजों के बनाए गए कानूनों को आज के हिसाब से बनाया जाए।

इस पर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इसके लिए व्यापक चर्चा की गई। सभी हाईकोर्ट, यूनिवर्सिटी, सुप्रीम कोर्ट, आईएएस, आईपीएस, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सासंद, विधायक, लॉ यूनिवर्सिटी आदि को पत्र लिखकर सलाह ली गई है। शाह ने कहा कि न्याय मिलने में इतनी देर लगती है कि लोगों का भरोसा उठ गया है। लोग कोर्ट जाने से डरते हैं। अब इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, एसएमएस, लोकेशन सबूत, ईमेल आदि सबकी कानूनी वैधता होगी। अदालत के कार्यवाही टेक्नोलॉजी के द्वारा हो सकेगी। पूरा ट्रायल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकेगा। इन कानूनों को बनाने में फोरेंसिक टेक्नोलॉजी और अन्य एक्सटर्स को शामिल किया गया है।

30 खाप, किसान संगठनों नूंह हिंसा को लेकर किए प्रस्ताव पारित

-मोनू मानेसर और बजरंगी की गिरफ्तारी की डिमांड

गुरुग्राम । नूंह हिंसा के अहम किरदार बताए जा रहे मोनू मानेसर की गिरफ्तारी की डिमांड तेज हो गई है। हिसार में हरियाणा के 30 खाप, संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं, किसान संगठनों और कई धर्मों के लोगों की महापंचायत हुई। इसमें नूंह हिंसा को लेकर कई प्रस्ताव पास किए गए। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सुरेश कोठ की अगुआई में हुई महापंचायत में हिसार, जिंद, कैथर, करनाल, भिवानी और फतेहाबाद जैसे जिलों के लोगों ने हिस्सा लिया। महापंचायत में नूंह में दुबारा शांति स्थापित करने को लेकर चर्चा की गई और भड़काऊ नारेबाजी, भाषण देने वालों को चेताया गया। महापंचायत में सर्वसम्मति से गौरक्षक मानेसर और बिट्टू बजरंगी की गिरफ्तारी की मांग भी शामिल है। आरोप है कि मोनू और बजरंगी ने ब्रजमंडल यात्रा में शामिल होने का ऐलान कर मुस्लिम समुदाय को चुनौती देकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, हिंसा के तुरंत बाद हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने मोनू मानेसर की भूमिका को नकार दिया था। उन्होंने कहा था कि यह यात्रा हर साल की तरह शांतिपूर्वक निकल रही थी और अचानक इस पर हमला किया गया। इस साल फरवरी में भरतपुर निवासी पशु व्यापारी नासिर और जुनैद की गौतस्करी के शक में हत्या कर दी गई। इस केस में मोनू मानसेर का नाम आने के बाद से मुस्लिम समुदाय में उसके खिलाफ आक्रोश था। खापों और किसानों की महापंचायत में यह प्रस्ताव पास हुआ कि भविष्य में यदि हिंसा होती है, तब सभी धर्मों के लोग खुद को दूर रखें। नूंह में हिंसा के बाद शांति, सद्भाव स्थापित करने के लिए समाज के हर वर्ग को प्रयास करना चाहिए। अफवाह फैलाने वाले और लोगों को धमकाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता कोठ ने आरोप लगाया कि बीजेपी से जुड़े लोग दंगा भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान संगठन माहौल को बिगाड़ने नहीं देगी। उन्होंने कहा, बीजेपी से जुड़े संगठन, कथिततौर पर जुलूस निकाल रहे हैं और सरपंचों को आदेश निकालने को मजबूर कर रहे हैं कि मुस्लिम गांव छोड़ दें। हम इसतरह के लोगों के खिलाफ सख्त ऐक्शन की मांग करते हैं जो समाज का सद्भाव बिगाड़ रहे हैं।

राहुल के पास लड़कियों की कमी नहीं, 50 साल की महिला को क्यों फ्लाइंग किस देंगः नीतू सिंह

- बीजेपी नेताओं ने नीतू सिंह के बयान की भर्त्सना की

पटना (एजेंसी)। संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को कथित रूप से फ्लाइंग किस देने के विवाद में अब नया विवाद जुड़ गया है। बिहार से कांग्रेस विधायक नीतू सिंह ने शर्मनाक बयान देते हुए कहा है कि राहुल गांधी के पास फ्लाइंग किस देने के लिए लड़कियों की कमी नहीं है। अगर उन्हें किसी को फ्लाइंग किस देना होगा तो वह स्मृति ईरानी जैसी 50 साल की किसी बूढ़ी को क्यों देंगे? दरअसल, संसद में राहुल गांधी पर लगे आरोपों को लेकर नवादा जिले की हिसुआ सीट से कांग्रेस विधायक नीतू सिंह से राय मांगी गई थी। इस दौरान बीजेपी सरकार में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को आड़े हाथों लिया और कहा कि हमारे राहुल जी के पास लड़कियों की कमी नहीं है। अगर उनको फ्लाइंग किस देना होगा तो किसी लड़की को देंगे। 50 साल के बूढ़ी को क्या फ्लाइंग किस देंगे। यह सब आरोप निराधार है।

कांग्रेस की महिला विधायक के इस बयान को लेकर अब बीजेपी ने करारा हमला बोला है। बीजेपी नेताओं ने नीतू सिंह के बयान की भर्त्सना की है। बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने नीतू सिंह के बयान की निंदा करते हुए उसे शर्मनाक बताया है। बीजेपी के एक अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी नीतू सिंह के बयान की आलोचना करते हुए कहा है कि महिला विरोधी कांग्रेस राहुल गांधी की कथित गलत हरकतों पर उनका बचाव करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। आरोप है कि बुधवार को चर्चा में हिस्सा लेने के बाद जब राहुल गांधी सदन से बाहर निकल रहे थे, तब सत्तारूढ़ पक्ष के कुछ सदस्यों की टीका-टिप्पणी पर कांग्रेस सांसद ने फ्लाइंग किस की भाव-भंगिमा प्रदर्शित की। हालांकि, राहुल के रिएक्शन का वो क्षण कैमरे में कैद नहीं हुआ है।

केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सदन में फ्लाइंग किस की भाव-भंगिमा प्रदर्शित करते हुए महिला सांसदों के प्रति अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। ईरानी ने राहुल गांधी को महिलाओं से द्वेष रखने वाला शख्स भी बताया। संसद में भाषण के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा, सिर्फ एक महिला विरोधी व्यक्ति ही संसद में महिला सांसदों को फ्लाइंग किस दे सकता है। ऐसा उदाहरण पहले कभी नहीं देखा गया। इससे पता चलता है कि वह महिलाओं को लेकर क्या सोचते हैं। यह अभद्रता है। बाद में भारतीय जनता पार्टी की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। हस्ताक्षर करने वाली सभी महिला बीजेपी सांसद स्पीकर कक्ष में पहुंची थीं।

पीएम मोदी ने ऐसा कुछ नहीं कहा...जो मणिपुर को भरोसा देता : नीतीश कुमार

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर हमला किया है। उन्होंने कहा कि ये लोग सिर्फ प्रचार करते हैं न कि कोई काम करते हैं। साथ ही नीतीश कुमार ने कहा कि इधर सदन चलता है और प्रधानमंत्री बाहर घूमते रहते हैं। नीतीश ने कहा कि सदन में जब अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान पीएम ने ऐसा कुछ नहीं कहा जो मणिपुर को भरोसा देता है। सीएम ने कहा कि मोदी सरकार इंडिया गठबंधन से परेशान है। यह हर जगह दिखने लगा है। देशहित और राज्य हित में इंडिया बनाया गया है। अब 2024 के चुनाव में बीजेपी बिहार से साफ हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तमाम दल एकजुट हो रहे हैं, तब भाजपा इससे घबरा गई है। नीतीश ने कहा कि आज तक बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया गया।

अधीर रंजन चौधरी के निलंबन के खिलाफ इंडिया के सांसदों का मार्च

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा से कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के निलंबन के खिलाफ विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के सांसदों ने शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही का बहिष्कार कर संसद में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा तक मार्च किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा वे लोकतंत्र को दबाना चाहते हैं। इसकारण सभी दलों के लोग यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम उनके गैरकानूनी काम के खिलाफ लड़ते रहने वाले हैं...लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हम संसद के अंदर और बाहर हर जगह लड़ने वाले हैं।

बता दे कि अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सदन में कांग्रेस के नेता चौधरी को सदन से निलंबित करते हुए उनका मामला सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है।

सदन में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद लोकसभा स्पीकर बिरला ने चौधरी द्वारा सदन में लगातार किए जा रहे व्यवहार की जांच का मामला सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेजते हुए कमेटी की रिपोर्ट आने तक उन्हें सदन से निलंबित करने की घोषणा कर दी। सदन में जब उनके निलंबन का यह प्रस्ताव पारित हुआ, उस समय अधीर रंजन चौधरी सहित कांग्रेस और अन्य कई विपक्षी दलों के सांसद मौजूद नहीं थे क्योंकि वे प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान ही सदन से वॉकआउट कर गए थे।

अंजू के बच्चों को अपनाऊंगा, भारत आकर दूंगा सभी जवाबः नसरुल्ला

- नसरुल्ला ने कहा कि वो अंजू से सच्चा प्यार करता है, टाइम पास नहीं कर रहा

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के भिवाड़ी से पाकिस्तान गई अंजू के प्रेमी नसरुल्ला ने कहा कि वह अंजू के दोनों बच्चों को अपनाएगा। वह अंजू के साथ भारत आकर सभी सवालों का जवाब देगा। एक साक्षात्कार में नसरुल्ला ने कहा कि वो अंजू से सच्चा प्यार करता है, टाइम पास नहीं कर रहा है। वो उनके लिए सबकुछ करने के लिए तैयार है। अभी दो महीने का वीजा एक्सटेंशन हुआ है। आगे उसके बाद की प्रक्रिया की जाएगी। बता दें कि भिवाड़ी की रहने वाली अंजू बीते 21 जुलाई को पाकिस्तान पहुंच गई थी। वहां जाकर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रहने वाले नसरुल्ला से अंजू ने निकाह कर लिया था। नसरुल्ला ने कहा कि साल 2019 में अंजू एक मार्केटिंग कंपनी में काम करती थी। अंजू को फेसबुक चलाना नहीं आता था। इसी दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी मुलाकात अंजू से हुई।

राज्यसभा सभापति से जब खरगे ने कहा...जल्दी माइक बंद मत करो साहब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉनसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाथ जोड़ लिए। दरअसल, सभापति धनखड़ को पद पर शुक्रवार को एक साल हुए हैं। सदन के नेता ने बधाई दी तब खरगे ने कहा कि कहते तब हम सभी मिलकर दो शब्द कह सकते थे लेकिन ये लोग बगैर बात किए वन-वे काम करते हैं। इसके बाद खरगे ने हाथ जोड़कर कहा, आपसे विनती है जल्दी माइक बंद मत करो साहब। यह देख सभापति भी हंस पड़े और उन्होंने हाथ जोड़ लिए।

इसके बाद खरगे ने लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को सस्पेंड करने मुद्दा राज्यसभा में उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि शुक्रवार को अंतिम दिन है, और इतने लोगों को सदन से सस्पेंड किया गया और प्रिविलेज कमेटी को रेफर किया गया। 6 लोगों को किया गया। वहां पर अधीर रंजन चौधरी जो विपक्ष के नेता हैं, उन्हें भी सस्पेंड किया गया।

जैसे ही कांग्रेस नेता खरगे ने अधीर को सस्पेंड किए जाने का मुद्दा उठाया, तब सत्तापक्ष के सदस्य आपत्ति जताने लगे। खरगे ने कहा कि अरे, संविधान में दोनों हाउस है। एक हाउस नहीं है। सभापति ने सत्तापक्ष के सदस्यों को शांत कराने की कोशिश की। इसके बाद धनखड़ ने सदस्यों से आग्रह कर कहा कि प्लीज विपक्ष के नेता को ध्यान से सुनिए। एक बढ़िया उदाहरण सेट कीजिए। सभापति ने हल्के मूड में खरगे से कहा कि सर, मुझे गाइड कीजिए जिससे सब कामकाज ठीक से चले।

सभापति ने कहा कि सर, ये दूसरे सदन का मामला है। खरग ने जवाब दिया कि सर, मैं भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति से अपील कर रहा हूं। आपको लोकतंत्र का संरक्षण करना है। सस्पेंड नहीं करना चाहिए क्योंकि वह कई कमेटी में हैं। यह अच्छी बात नहीं है।

धरती के बाद...चांद पर भी एक-दूसरे के दोस्त बनेंगे भारत और रूस

-23 अगस्त को लूना-25 और चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने 11 अगस्त को अपने वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लूना-25 लैंडर की लांचिंग की। 47 साल बाद रूस चंद्रमा के लिए अपना पहला अंतरिक्ष यान रवाना कर चुका है। इसके पहले भारत ने चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग की उपलब्धि हासिल करने की कोशिश में चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर भेजा है। चंद्रमा के लिए रवाना किए गए दोनों मिशन दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले हैं। इस तरह भारत और रूस चांद पर एक दूसरे के पड़ोसी होने वाले हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि लूना -25 चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 से पहले ही लैंड करेगा।

बता दें रूस 1976 के बाद पहली बार चंद्रमा पर अपने लूना-25 यान को भेज रहा है। इस यान का प्रक्षेपण यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की मदद के बिना किया गया है, जिसमें यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद मॉस्को के साथ अपना सहयोग समाप्त कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक रूसी अंतरिक्ष यान के 23 अगस्त को चंद्रमा पर पहुंचने की संभावना है। इसी तारीख को भारत का चंद्रयान-3 के चंद्रमा की सतह पर कदम रखने की उम्मीद है।

दोनों ही देशों ने अपने-अपने यान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जहां अभी तक कोई भी यान सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल नहीं हो सका है। अभी तक सिर्फ तीन देश, अमेरिका, तत्कालीन सोवियत संघ और चीन चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग कर पाए हैं। सब कुछ ठीक रहा तब रूस का लूना 25 और चंद्रयान-3 की दक्षिणी ध्रुव पर मौजूदगी से दोनों देश चांद पर एक दूसरे के पड़ोसी हो जाएंगे।

रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख यूरी बोरिसोव के मुताबिक, लूना का लैंडर 21 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतर सकता है। पहले इसके लैंडिंग की तारीख 23 अगस्त बताई गई थी। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि चंद्रमा पर बेहद सटीक सॉफ्ट लैंडिंग होगी। लूना-25, लगभग एक छोटी कार के आकार का है, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक वर्ष तक काम करने के लक्ष्य से बनाया गया है।

लूना-25 मिशन की सफलता महत्वपूर्ण महत्व रखती है, क्योंकि रूसी सरकार का दावा है कि यूक्रेन संघर्ष के कारण पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंध से रूसी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके बाद में पहली बार रूस ने अपने दम पर इस अंतरिक्ष मिशन को लांच किया है।

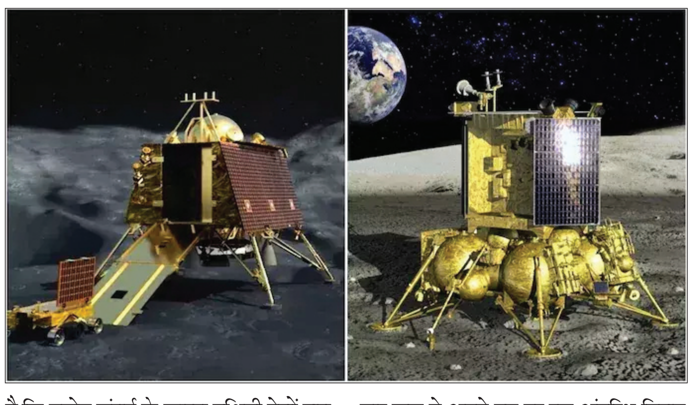

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में पांच लुटेरों ने बंदूक की नोक पर 13 लाख की लूट

हाथ में पिस्तौल, चेहरे पर नकाब बांधे

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

असामाजिक तत्वों को पुलिस का कोई डर नहीं है. असामाजिक तत्व कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए दिनदहाड़े बंदूक की नोक पर बैंक लूटकर फरार हो जाते हैं। शहर में बढ़ता अपराध का ग्राफ पुलिस की साख पर भी सवाल उठा रहा है. दो बाइक पर पांच लुटेरे बंदूकों से लैस होकर बैंक में घुस गए, जबकि सचिन पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर वांज गांव में बैंक ऑफ महाराष्ट्र अभी भी खुला था। इससे पहले कि बैंक के स्टाफ को कुछ पता चलता, वे फिल्मी स्टाइल में दहशत फैलाकर बैंक से करीब 13 लाख रुपये लूटकर फरार हो जाते हैं.

फिल्मी अंदाज में बैंक डकैती को दिया अंजाम बेखौफ अपराधियों ने फिल्मों में दिखाई जाने वाली डकैती को हकीकत बना दिया है. दो बाइक पर पांच लुटेरे आते हैं।

जिनमें से चार लुटेरे हेलमेट पहनकर बैंक में दाखिल हुए जबकि एक लुटेरे ने चेहरे पर मास्क लगा रखा था. बैंक में तोड़फोड़ करते ही इन बेखौफ आरोपियों ने एक तरफ बैंक के ग्राहकों और कर्मचारियों को बंधक बना लिया और बैंक से 13 लाख रुपये लूट लिये.

सीसीटीवी में कैद हुई डकैती की वारदात बैंक लूटने के बाद 5 आरोपी भाग गए, लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनकी काली करतूत बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. उन्होंने बैंक में घुसकर कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बना लिया और लूटपाट की. पूरी घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज में हुई डकैती से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं और शहर की कानून व्यवस्था चरमरा गई है. साथ ही सूरत पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं. डकैती की घटना की सूचना मिलते ही सूरत सिटी क्राइम ब्रांच और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए. सूरत शहर और जिले में रेड अलर्ट सरेआम लूटपाट के बाद मौके पर पहुंचे एडिशनल सीपी के.एन. डामोर ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 11 बजे सचिन थाना क्षेत्र में दो बाइक पर पांच लोग बैंक में घुसे और लूटपाट की. जिसमें चार लोग हेलमेट पहने हुए थे और एक व्यक्ति मुंह पर मास्क लगाए हुए थे और बैंक में घुसे और बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बना लिया और करीब 14 लाख लूटकर भाग गए.

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की ओर से पूरे सूरत शहर और जिले में रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है.

आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं. शहर की नाकेबंदी कर वाहन चेकिंग की जा रही है. वहीं सूरत जिले में भी पुलिस की टीमें सभी जगहों पर चेकिंग कर रही हैं. साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी और मोबाइल सर्विलांस की भी मदद ली जा रही है.

लव जिहाद की दूसरी घटना आई सामने, विधर्मी ने एक हिन्दू लड़की से दुष्कर्म किया

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच, भरूच में लव जिहाद की दूसरी घटना सामने आई है, जिसमें विधर्मी आरोपी ने हिन्दू छात्रा को अपने प्रेमजाल में फांसकर उसके साथ ना सिर्फ दुष्कर्म किया, बल्कि उसे ब्लैकमेल भी किया। आरोपी तीन संतानों का पिता और उसने एक नहीं दो हिन्दू लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फांसकर दुष्कर्म किया। आरोपी के खिलाफ दूसरी एफआईआर पुलिस थाने में दर्ज हुई है। जानकारी के मुताबिक तीन संतानों का पिता सिराज पटेल ने हिन्दू युवक के तौर पर फर्जी सोशल मीडिया एकाउंट बनाया था और उसके जरिए हिन्दू युवतियों को अपने प्रेमजाल में फांसता था। युवती जब उसकी जाल में फंस जाती तो वह उसके साथ दुष्कर्म करता और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता। गत 4 अगस्त को भरूच के ग्रामीण पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के मुताबिक सिराज ने मेहुल पटेल बनकर एक हिन्दू युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाया और उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया था।

9 अगस्त को सिराज के खिलाफ भरूच शहर के पुलिस थाने में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह एफआईआर हिन्दू छात्रा ने सिराज के खिलाफ दर्ज करवाई है। छात्रा का आरोप है कि सिराज ने खुद को गौतम वसावा बताकर उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया। बाद में भरूच के स्टेशन रोड स्थित एक होटल में नाश्ता करने के बहाने ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। सिराज ने उसकी अश्लील तस्वीरें खींच ली। जिसके बाद समयांतर वह तस्वीरों को वायरल करने की धमकी देकर उससे रुपए ऐंठता था। पीड़िता के मुताबिक एक दिन आरोपी सिराज ने उसे किसी काम के बहाने मिलने बुलाया और तब वह मुस्लिम वेशभूषा में आया था। जहां आरोपी ने बताया कि वह हिन्दू नहीं मुस्लिम है और उसका नाम गौतम वसावा नहीं बल्कि सिराज पटेल है। आरोपी ने कहा कि मुस्लिम धर्म में चार शादियां करने की छूट है। ऐसा कहते हुए आरोपी ने छात्रा पर दूसरी बीवी बनने का दबाव डाला। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिसकर्मी को ट्रैफिक चालान को लेकर वाहन चालक को थप्पड़ मारना महंगा पड़ा, डीवायएसपी ने किया सस्पैंड

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, ट्रैफिक चालान को लेकर वाहन चालक को थप्पड़ मारना रेलवे पुलिसकर्मी को महंगा पड़ गया। इस घटना पर कार्यवाही करते हुए रेलवे डीवायएसपी ने पुलिसकर्मी को सस्पैंड कर दिया है। सूरत में ट्रैफिक चालान को लेकर गत 5 अगस्त को पुलिसकर्मी ने एक वाहन चालक को थप्पड़ मार दिया। वाहन चालक ने जब घटना का वीडियो बनाया तो उसे फर्जी केस में फंसा देने की पुलिसकर्मी ने धमकी भी दी। 5 अगस्त की इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्यवाही की गई है। रेलवे डीवायएसपी ने वाहन चालक के दुर्व्यवहार करने पर रेलवे पुलिसकर्मी नरसिंह चौधरी को सस्पैंड कर दिया है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई.-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई.-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com